संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 197
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
शनिवार 17 अक्टूबर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

'पंजाब की जनता को घोषणाएं नहीं, परिणाम चाहिए'

● भगवंत मान सरकार पर अमित शाह ने उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पंजाब आज नशे, गैंगस्टरवाद व संगठित अपराध के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। उन्होंने पंजाब की भगवंत मान सरकार पर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि पंजाब की जनता को प्रचार नहीं, बल्कि जवाब चाहिए और घोषणाओं की जगह परिणाम चाहिए। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'पंजाब आज नशे, गैंगस्टरवाद व संगठित अपराध के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। भगवंत मान सरकार के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर पंजाब की जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा?' शाह ने दिरबा में एक पिता के दबाव में जहर खाने और मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े हुई हत्या की घटनाओं का जिक्र किया। साथ ही, उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय भी इन दोनों घटनाओं पर पंजाब सरकार से जवाब मांगेगा।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'दिरबा में एक पिता का दबाव में जहर खा लेना और मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े हत्या ने पंजाब की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परविंदर के पिता ने आम आदमी पार्टी सरकार और उनके विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ' अमित शाह ने कहा



पंजाब में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है, संगठित अपराध का खतरा बढ़ रहा है

कि पंजाब में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है, संगठित अपराध का खतरा बढ़ रहा है और नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'भगवंत मान जी, पंजाब की जनता को प्रचार नहीं, बल्कि जवाब और घोषणाएं नहीं, बल्कि परिणाम चाहिए। नशे के नेटवर्क पर निर्णायक प्रहार और अपराधियों को मिलने वाले किसी भी राजनीतिक संरक्षण की निष्पक्ष जांच चाहिए। ' इसी बीच, अमित शाह ने पंजाब में भाजपा की सरकार बनने पर नशामुक्त, गैंगस्टरमुक्त और सुरक्षित पंजाब बनाने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा, 'पंजाब में हमारी सरकार बनने पर हम नशामुक्त, गैंगस्टरमुक्त और सुरक्षित पंजाब बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है - नशे के कारोबार पर प्रहार, युवाओं के भविष्य की रक्षा, अपराधियों पर कठोर कार्रवाई और कानून का ऐसा राज, जिसमें कोई भी नागरिक भय के साये में जीने को मजबूर न हो। '

सऊदी अरब में सुरक्षा चिंताओं के बीच भारतीय एयरलाइंस ने कई उड़ानें कीं रद्द

20 अक्टूबर तक प्रभावित रहेंगी सेवाएं

एजेंसी

नई दिल्ली । सऊदी अरब में विकसित हो रही सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर भारतीय विमानन कंपनियों - एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस - ने शुक्रवार को कई सऊदी गंतव्यों के लिए अपनी उड़ान सेवाएं 20 अक्टूबर तक निलंबित करने की घोषणा की। एयरलाइंस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी यात्रा परामर्श के अनुसार, रियाद, जेद्दा और दम्माम सहित सऊदी अरब के प्रमुख शहरों के लिए उड़ान सेवाएं अलग-अलग अवधि तक निलंबित रहेंगी। कुछ एयरलाइंस ने मदीना के लिए भी उड़ानें रद्द की हैं। एयर इंडिया ने कहा, 'सऊदी अरब में विकसित हो रही



स्थिति को देखते हुए रियाद, दम्माम और जेद्दा के लिए तथा वहां से संचालित होने वाली एयर इंडिया की सभी उड़ानें 20 अक्टूबर 2026 तक रद्द रहेंगी। ' एयरलाइन ने यह भी कहा कि इन रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड दिया जाएगा। एयर इंडिया ने एक्स पर लिखा, 'हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। 'इसी तरह एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी कहा कि उसने दम्माम, जेद्दा और रियाद के लिए तथा वहां से संचालित उड़ानों के निलंबन को 20 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है।एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा, 'हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपने परिचालन की समीक्षा कर उसमें बदलाव करेंगे। हमारी टीमें प्रभावित यात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान कर रही हैं। ' एयरलाइन ने रद्द उड़ानों के यात्रियों को मुफ्त री-शेड्यूलिंग या पूर्ण रिफंड का विकल्प भी दिया है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से बढ़ी ठंड, वायु प्रदूषण में दिखा सुधार

आगामी दिनों की बात करें तो 17 अक्टूबर को तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है,

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर का मौसम अचानक बदल गया है। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही तेज गर्मी और उमस के बाद अब लोगों को राहत मिलने लगी है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में आंधी-तूफान के साथ बारिश होने के आसार हैं। इस मौसमी बदलाव के कारण तापमान में कमी ही नहीं, बल्कि वायु गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिला है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया



गया। आंधी के साथ बारिश का पूर्वानुमान है। आगामी दिनों की बात करें तो 17 अक्टूबर को तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 21 डिग्री रहेगा। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। वहीं, 18 अक्टूबर से मौसम एक बार फिर से साफ होने लगेगा। 18, 19, 20 और 21 अक्टूबर तक मुख्य रूप से आसमान साफ रहने का अनुमान है।

इन दिनों में अधिकतम तापमान 32 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 से 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। तापमान में इस गिरावट के चलते रात के समय ठंड का अहसास होने लगा है।प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, पूरे एनसीआर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) ग्रीन जोन में पहुंच गया है। दिल्ली के विभिन्न इलाकों की बात करें तो कैंटोनमेंट एरिया में एक्यूआई 24 (ग्रीन), बदरपुर में 39 (ग्रीन), बुराड़ी में 60 (ग्रीन), आया नगर में 64 (ग्रीन), अशोक विहार में 67 (ग्रीन), अलीपुर में 70 (ग्रीन), बुराड़ी क्रॉसिंग में 70 (ग्रीन), बवाना में 98 (संतोषजनक) और आनंद विहार में 99 (संतोषजनक) दर्ज किया गया।नोएडा की बात करें तो सेक्टर-1 में एक्यूआई 59 (ग्रीन), सेक्टर-125 में 65 (ग्रीन), सेक्टर-116 में 80 (ग्रीन) और सेक्टर-62 में 101 (संतोषजनक) रहा।

मौसम विभाग के अनुसार

अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क और साफ रहेगा। फिलहाल, बारिश और ठंडी हवाओं के चलते एनसीआर के लोगों को गर्मी और प्रदूषण दोनों से बड़ी राहत मिली है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अक्टूबर के अंत और नवंबर की शुरुआत में पराली जलाने और त्योहारों के कारण प्रदूषण फिर से बढ़ सकता है।

राम मंदिर का बचा हुआ निर्माण कार्य 15 नवंबर तक पूरा हो जाएगा: नृपेंद्र मिश्र

एजेंसी

अयोध्या । राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि श्रीराम मंदिर परिसर में लगभग सारा निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। बचा हुआ काम 15 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए मिश्रा ने आने वाले त्योहारों की शुभकामनाएं दी और मंदिर के विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परिसर के भीतर लगभग 150 निर्माण कार्यों में से 148 पूरे हो चुके हैं और उन्हें राम मंदिर ट्रस्ट को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी एल एंड टी को पूरे हो चुके प्रोजेक्ट्स ट्रस्ट को सौंपने थे। इसके साथ ही उन्हें संबंधित रिकॉर्ड, ड्राइंग, डिजाइन और वित्तीय दस्तावेज भी सौंपने थे। ट्रस्ट के प्रोजेक्ट इंजीनियर इन कार्यों का निरीक्षण करते हैं और उसके बाद ही उन्हें सौंपे जाने की मंजूरी देते हैं।मिश्रा ने बताया, 'इन 150 कार्यों में से 148 पूरे हो चुके हैं और सौंप दिए गए हैं। अब केवल 'परकोटा' (मंदिर की बाहरी घेराबंदी वाली संरचना) का मुख्य निर्माण कार्य सौंपा जाना बाकी है।



'सपा के समर्थन के बिना रायबरेली सीट भी जीत पाओगे या नहीं?'

● राजनाथ सिंह का राहुल गांधी पर कटाक्ष

एजेंसी

लखनऊ । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस का मकसद चुनाव सुधार या मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ा नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर देश में अराजकता पैदा करना और सत्ता हासिल करना है। उन्होंने राहुल गांधी पर संविधान का हवाला देकर अराजकता फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस के इतिहास और चुनाव आयोग को लेकर उसके रुख पर भी सवाल उठाए। राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी की राजनीतिक ताकत पर सवाल उठाते हुए उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की कमजोर स्थिति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश में 37 वर्षों से सत्ता से बाहर है। रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या समाजवादी पार्टी के समर्थन के बिना कांग्रेस रायबरेली में अपनी सीट भी जीतने की क्षमता रखती है?

लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में 'रिजीम चेंज' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि विपक्ष की लड़ाई चुनाव सुधार, एसआईआर या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नहीं है।



उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरी कवायद के पीछे देश में अस्थिरता पैदा कर सत्ता हासिल करने की साजिश है। कांग्रेस और उसके सहयोगी देश के युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के बजाय उसे नकारात्मक गतिविधियों में लगा रहे हैं।

'लखनऊ एक्सप्रेस' का इंजन फेल हो गया है, राजनाथ सिंह की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर अखिलेश का तंज

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर कटाक्ष किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि 'लखनऊ एक्सप्रेस' का इंजन फेल हो गया है, तभी दिल्ली के इंजन ने लखनऊ की कमान किसी और को थमाने का अंदरूनी फैसला कर लिया है। अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को दिखावटी करार देते हुए कहा कि असली खेल लखनऊ के इंजन को खटारा साबित कर स्थायी रूप से हटाने का है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर सत्ता पक्ष की ओर से होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ाने वाला तंज किया।

उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, ''सुना है सत्ताधारियों की तरफ से कोई बड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस हो रही है। लगता है 'लखनऊ एक्सप्रेस' का इंजन फेल हो गया है, तभी दिल्ली के इंजन ने लखनऊ की कमान किसी और को थमाने का अंदरूनी फैसला कर लिया है। '

राहुल गांधी पर महिला पत्रकार को धक्का देने के आरोप के मामले में सुप्रीम कोर्ट 26 अक्टूबर को करेगा सुनवाई

● 'याचिकाएं में हम पहले ही नोटिस जारी कर चुके हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और वकील गौरव भाटिया ने सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर महिला पत्रकार को धक्का देने के आरोप का मामला रखा। उन्होंने कोर्ट से इस आवेदन पर सुनवाई की तारीख तय करने और यह स्पष्ट करने का अनुरोध किया कि मामले में नोटिस जारी किया गया है या नहीं। इस पर सीजेआई ने कहा कि कल हमारे सामने जो भी याचिकाएं रखी गई थीं, उन सभी में हम पहले ही नोटिस जारी कर चुके हैं। हम 26 अक्टूबर को सुनवाई करेंगे।

इसी से जुड़े एक अन्य मामले में वकील जय अनंत देहाद्राई की ओर से भी सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने मामला रखा गया। उन्होंने आशंका जताई कि इस प्रदर्शन के कारण कनॉट प्लेस के दुकानदारों और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान



हो सकता है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी लोग समझदारी से काम लेंगे। छोटी दुकानें चलाने वाले लोग त्योहार के मौसम में कमाई करते हैं। अगर उनका कारोबार प्रभावित हुआ, तो उनके पूरे परिवार को आर्थिक परेशानी हो सकती है।जस्टिस बागची ने कहा कि प्रदर्शन करने वालों के अधिकारों के साथ-साथ छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी का भी ध्यान रखना जरूरी है। अगर प्रदर्शन के कारण दुकानदारों को आर्थिक नुकसान होता है, तो सुप्रीम कोर्ट अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल कर सकता है। फिलहाल, पहले देखते हैं कि आगे क्या होता है।

सीएम हिमंता ने काजीरंगा की 'वन दुर्गाओं' को सराहा

एजेंसी

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में तैनात महिला वन रक्षकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने इन महिलाओं को राज्य की 'वन दुर्गा' बताया और कहा कि वे असम की समृद्ध वन्यजीव विरासत और पहचान की रक्षा कर रही हैं। शारदीय नवरात्रि के षष्ठ दिवस पर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'छठे दिन हम मां कात्यायनी की पूजा करते हैं, जो महिषासुर का वध करने वाली देवी हैं। वृंदावन के कुंजों में, यमुना के तट पर गोपियों ने उनकी आराधना की थी। वे हर उस चीज की प्रबल रक्षक हैं, जो पवित्र है।' सीएम हिमंता ने महिला वन रक्षकों का जिक्र करते हुए कहा कि असम के जंगलों में भी अपनी 'कात्यायनियां' मौजूद हैं। हिमंता ने कहा कि उनके साहस और समर्पण ने यह प्रदर्शित किया है।

पंचायत चुनाव में सोशल मीडिया पर पुलिस की नजर, भड़काऊ पोस्ट डालने पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

जोधपुर। राजस्थान में पंचायत चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप ग्रुपों पर निगरानी बढ़ा दी है। भड़काऊ संदेश, अभद्र टिप्पणी, धमकी या फर्जी वीडियो साझा करने वालों के खिलाफ बीएनएस और आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जा सकती हैं। पुलिस ने चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए माइक्रो-लेवल साइबर सर्विलांस शुरू किया है। पुलिस ने व्हाट्सऐप ग्रुप एडमिन को आपत्तिजनक सामग्री पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर पुलिस को सूचना देने की सलाह दी है। बिना पुष्टि के भड़काऊ संदेश या फर्जी वीडियो फॉरवर्ड करने से भी बचने की अपील की गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि चुनाव के दौरान जाति, धर्म, समुदाय या प्रत्याशियों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी न करें ।

जेजेएम घोटाला : पूर्व मंत्री महेश जोशी को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

एसीबी मामले में 5 महीने बाद जेल से आएंगे बाहर

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के बहुचर्चित जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले में न्यायिक हिरासत में चल रहे पूर्व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) मंत्री महेश जोशी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज मामले में जोशी को नियमित जमानत प्रदान कर दी है। इस फैसले के बाद पूर्व मंत्री करीब 5 महीने जेल में बिताने के बाद रिहा होंगे। जस्टिस दीपंकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने सुनाया फैसला सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपंकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की खंडपीठ ने 12 अक्टूबर को दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने सुरक्षित आदेश सुनाते हुए महेश जोशी की जमानत याचिका स्वीकार कर ली।जल जीवन मिशन में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों के आधार पर टेंडर जारी करने और कमीशनखोरी के आरोपों की जांच कर रही राजस्थान एसीबी ने 7 मई की सुबह महेश जोशी को उनके जयपुर स्थित आवास से गिरफ्तार किया था। तब से वे न्यायिक हिरासत में जेल में बंद थे। गौरतलब है कि जेजेएम घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें 24 अप्रैल 2025 को गिरफ्तार किया था। उस दौरान लगभग 7 महीने जेल में रहने के बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत हासिल हुई थी। ईडी के बाद एसीबी द्वारा की गई कार्रवाई में भी अब देश की सर्वोच्च अदालत से राहत मिलने के बाद महेश जोशी के जेल से बाहर आने का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है।

परविंदर झोटा हत्याकांड: मानसा में परिजनों से मिलीं हरसिमरत कौर बादल

कांग्रेस-भाजपा भी भगवंत मान पर हमलावर

एजेंसी

चंडीगढ़/मानसा । पंजाब के मानसा में एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा की हत्या के बाद राज्य सरकार सवालों के घेरे में हैं। शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि सरकार के संरक्षण में नशा तस्करों के हौसले बुलंद हैं, और जो कोई भी आवाज उठाता है, उसे गोली मार दी जाती है। राज्य की विपक्षी पार्टियों, भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने भी राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं। सांसद हरसिमरत कौर बादल ने मीडिया से बात करते



हुए कहा कि परिवार बहुत गहरे दुख से गुजर रहा है और इस मुश्किल समय में पूरा पंजाब उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा, 'यह उम्मीद करना ही गलती थी कि नशे के आदी मुख्यमंत्री नशे की समस्या को खत्म कर पाएंगे। आज पंजाब में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सरकार के संरक्षण में नशा तस्करों के हौसले बुलंद हैं, और जो कोई भी आवाज उठाता है, उसे गोली मार दी जाती है। मैं इसके लिए सीधे तौर पर सरकार को जिम्मेदार ठहराती हूं। ' अकाली सांसद ने कहा, 'पंजाब ने देखा है कि मुख्यमंत्री के सामने आवाज उठाने पर मोहनजीत के साथ क्या हुआ, और वित्त मंत्री से 'चिट्टा' (नशीला पदार्थ) की बिक्री रोकने की गुहार लगाने पर हमारे भाई गुलजार को पुलिस की बर्बरता का शिकार होना पड़ा। 'उन्होंने कहा, 'एक ऐसा व्यक्ति जिसका हथियारों का लाइसेंस रद्द कर दिया गया था, जो जेल की सजा काट चुका था और 2023 में वापस आया, और जिसके ठिकानों पर बार-बार छापेमारी हुई थी, उसे 2024 में फिर से हथियारों का लाइसेंस दे दिया गया।

प्रधानमंत्री ने नवरात्रि के दौरान मां कात्यायनी की पूजा की

एजेंसी

नई दिल्ली।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नवरात्रि में षष्ठी के पावन अवसर पर मां कात्यायनी की पूजा की। प्रधानमंत्री ने कामना की कि मां कात्यायनी के आशीर्वाद से सभी का जीवन असीम शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहे। श्री मोदी ने एक्स पर लिखा; 'नवरात्रि की पवित्र षष्ठी पर मां कात्यायनी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन! मेरी कामना है कि उनकी अनुकंपा से हर किसी के जीवन में असीम शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। '

प्रधानमंत्री ने मां जगदाम्बिका की सभी रूपों में दिव्य उपस्थिति का गुणगान करते हुए संस्कृत सुभाषितम् साझा किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मां जगदाम्बिका का गुणगान करते हुए और सभी शब्दों, विचारों एवं रूपों में उनकी दिव्य उपस्थिति पर प्रकाश डालते हुए एक संस्कृत सुभाषितम साझा किया। यह श्लोक बताता है कि प्रत्येक शब्द देवी की स्तुति की अभिव्यक्ति बन सकता है, क्योंकि उनके दिव्य स्वरूप में सभी शब्द और सभी अभिव्यक्तियां समाहित हैं।

श्री मोदी ने एक्स पर एक संस्कृत सुभाषितम् साझा किया;

'तव च का किल न स्तुतिरम्बिके! सकलशब्दमयी किल ते तनुः।
निखिलमूर्तिषु मे भवदन्वयो मनसिजासु बहिःप्रसरासु च॥'

किश्तवाड़ में लापता एसपीओ बशीर अहमद घर के पास मृत मिले, सर्विस राइफल बरामद

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लापता स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) बशीर अहमद आज सुबह अपने घर के पास मृत मिले। इस दौरान उनकी सर्विस राइफल एसएलआर बरामद कर ली गई है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 55 वर्षीय बशीर अहमद अपनी सर्विस राइफल और एक मैगजीन के साथ वीरवार रात लापता हो गए थे। वनीपोरा त्रिगाम के मूसाधर के पुत्र बशीर 2025 से पेदिल पोस्ट पर तैनात थे। पुलिस और सुरक्षा बलों ने उनके लापता होने की सूचना के बाद बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार वह सुबह करीब 7 बजे अपनी ड्यूटी पोस्ट से घर जाने के लिए निकले थे। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई। बशीर अहमद की पत्नी ने बताया कि जब वह तय समय पर घर नहीं लौटे तो वह घबराकर पुलिस पोस्ट पहुंचीं और इसकी सूचना दी। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

जलगांव में सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के जामनेर-बोडवाड रोड पर मालदाभाडी फाटा के पास एक पेट्रोल पंप के नजदीक गुरुवार शाम को हुए एक भीषण सडक़ हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे और तीन महीने का एक शिशु भी शामिल है। जामनेर पुलिस स्टेशन की टीम ने पेट्रोल पंप से सीसीटीवी फुटेज हासिल कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना में मृतकों की पहचान रामा सुरशिंग भिलाले (26), उनकी पत्नी शिमला रामा भिलाले (22), पूजा (5), भारती (3), श्रवण (3 महीने) और चंपलाल रेवनसिंग भिलाले (28) के रूप में हुई है। सभी मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के मालची टांडा के निवासी थे और खेतिहर मजदूर के रूप में काम करते थे। हादसे के बाद



सभी मृतकों के शव जामनेर ग्रामीण अस्पताल ले जाए गए। घटना की खबर फैलते ही अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने घटनास्थल के पास स्थित एचपी पेट्रोल पंप से सीसीटीवी फुटेज हासिल कर ली है। ट्रक और उसके चालक को आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस स्टेशन लाया गया है। पुलिस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसका पता लगाने के लिए जांच जारी है।

भारत की राष्ट्रपति विजयवाड़ा में 'राष्ट्रीय सरस मेले' में शामिल हुईं

विकास का लाभ देश के प्रत्येक गांव और प्रत्येक घर तक पहुंचाने में स्वयं सहायता समूह और सरस मेले अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं: राष्ट्रपति

एजेंसी

विजयवाड़ा। भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय तथा आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय सरस मेले' में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर सरस स्टॉलों को भी देखा और लखपति दीदियों के साथ संवाद किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में, राष्ट्रपति ने कहा कि कृषि में ग्रामीण महिलाओं की महत्वपूर्ण सहभागिता रहती है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उन्हें वित्तीय, तकनीकी और सामाजिक सशक्तीकरण की एक नई दिशा मिली है। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि महिला उद्यमशीलता में उत्साहजनक वृद्धि के साथ ही आर्थिक निर्णयों में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश के समतापरक और समावेशी विकास के लिए आवश्यक है। राष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि महिला स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्रभावी तरीके से योगदान दिया है। विगत 12 वर्षों में



इन समूहों से जुड़ी महिलाओं की संख्या बढ़कर 10 करोड़ से अधिक हो गई है। ये महिलाएं 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में सार्थक योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि भागीदारी की यह प्रक्रिया महिला केंद्रित, समावेशी ग्राम विकास को शक्ति प्रदान कर रही है और इससे सामूहिक उद्यम के अवसरों का व्यापक विस्तार भी हुआ है। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की, कि महिला स्वयं सहायता समूह सामुदायिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और ये समूह ग्रामीण जीवन के समग्र परिवर्तन और देश के समावेशी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार ने 'लखपति दीदी' पहल की शुरुआत करके ग्रामीण महिला सशक्तीकरण को एक विशिष्ट गति और दिशा दी है। डिजिटल सेवाओं और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे अनेक आधुनिक क्षेत्रों में बढ़ती भागीदारी से ग्रामीण महिलाओं के कौशल विकास के नए आयाम मिले हैं।राष्ट्रपति ने कहा कि आज ग्रामीण महिलाएं योजनाओं की मात्र लाभार्थी भर नहीं हैं। वे वेल्थ क्रिएटरस् बनी हैं और विकास की वाहक बन रही हैं। फिर भी, सशक्तीकरण की इस यात्रा में हमें अभी लंबा सफर तय करना है। सशक्तीकरण का एक मुख्य पैमाना यह भी होना चाहिए कि ग्रामीण महिलाओं का अपनी आय और संपत्ति पर कितना अधिकार बढ़ा है। साथ ही, घरेलू देखभाल के दायित्वों में सहयोगी सामुदायिक व्यवस्थाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। जलवायु अनुकूल उद्यमों में भी ग्रामीण महिलाओं की सहभागिता बढ़नी चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कौमारकॉन-2026 का उद्घाटन किया और अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की डिजिटल पहलों का शुभारंभ किया

'अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान को एम्स के समकक्ष विकसित करने के प्रधानमंत्री के विजन को साकार किया जा रहा है ': उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आयुर्वेद में व्यापक वैज्ञानिक अनुसंधान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल पद्धतियों की प्रभावकारिता स्थापित करने, रोगियों का विश्वास मज़बूत करने और भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान आवश्यक है। वे नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) द्वारा आयोजित कौमारभृत्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे संस्करण कौमारकॉन-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के (एम्स) समकक्ष विकसित करने के विजन का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि संस्थान इस विजन को साकार करने की



दिशा में आगे बढ़ रहा है। एआईआईए के 10वें स्थापना दिवस पर उसे बधाई देते हुए उन्होंने संस्थान की प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ करने के लिए अनुसंधान, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में निरंतर प्रयासों के महत्व पर बल दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ देश की सभ्यतागत प्रज्ञा और सदियों पुरानी ज्ञान परंपराओं में निहित एक अमूल्य विरासत है। उन्होंने वर्ष 2014 में आयुष मंत्रालय के गठन तथा शिक्षा को सुदृढ़ करने, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने आयुष मंत्रालय और आईसीएमआर, सीएसआईआर, डीबीटी, डीएसटी तथा एम्स जैसे संस्थानों के बीच किए जा रहे अंतर्विषयक सहयोग का भी उल्लेख किया। प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में आयुष सेवाओं के एकीकरण का जिक्र करते हुए श्री सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि ऐसी पहलें पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों और आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के बीच संवाद एवं सहयोग के अवसर सृजित करती हैं। उन्होंने योग को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता और जामनगर में डब्ल्यूएचओ के वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना को भारत के पारंपरिक ज्ञान को विश्व के साथ साझा करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया।

उप राष्ट्रपति ने स्वतंत्रता सेनानी वीरापांड्या कट्टाबोम्मन की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को स्वतंत्रता सेनानी वीरापांड्या कट्टाबोम्मन की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, वीरापांड्या कट्टाबोम्मन ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के सामने झुकने से इनकार कर दिया और निडर होकर उसका विरोध किया। उनकी वीरता, बलिदान और अपनी संप्रभुता की रक्षा के प्रति उनके अटूट संकल्प ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी है। गुलामी की बेड़ियों को ठुकराने वाले और देशभक्ति के जज्बे तथा दृढ़ संकल्प के साथ अपने अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ने वाले वीरापांड्या कट्टाबोम्मन का वीरतापूर्ण जीवन, आने वाली पीढ़ियों तक लोगों के दिलों में हमेशा जीवित रहेगा।



मप्र में गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के पांचवे संस्करण का भव्य शुभारंभ

ऑल सीजन टेंट सिटी के साथ रोमांचक साहसिक गतिविधियों का मिलेगा आनंद

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित गांधीसागर जलाशय के सुरम्य बैकवाटर पर ऑल सीजन टेंट सिटी के साथ जल, नभ और थल पर आधारित साहसिक गतिविधियों का प्रमुख आकर्षक गंतव्य 'गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट' के पांचवें संस्करण का भव्य शुभारंभ हुआ। विधायक चंदर सिंह सिसोदिया और कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने रिट्रीट का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर बताया गया कि एमपी टूरिज्म बोर्ड और लल्लूजी एंड सन्स एवं इवोक कैंपिंग के सहयोग से आयोजित यह रिट्रीट पर्यटकों को चंबल के साहसिक और रोमांचक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। पर्यटक स्पीड



शांत जल विस्तार और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच रोमांच और सुकून का अनूठा अनुभव प्रदान करेगा। रिट्रीट में पर्यटक हाई रोप, ज़िपलाइन, एटीवी राइड, साइकलिंग, डुओ साइकिल, एयरगन शूटिंग और पैरामोटरिंग जैसी बोट, जेट स्कीइंग, बनाना बोट, ड्रैगन बोट और कयाकिंग का भी रोमांच ले सकेंगे। इसके अतिरिक्त जंगल सफारी, नाइट वॉक, स्टार गेज़िंग, बोट सफारी, बोट स्पा, योग एवं वेलनेस सत्र तथा इनडोर खेलों की सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

मंत्री रेखा आर्य ने पति के खिलाफ मारपीट

धोखाधड़ी और हत्या की साजिश का मामला कराया दर्ज

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने अपने पति गिरधारी लाल साहू के खिलाफ मारपीट, धोखाधड़ी, जालसाजी, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने और हत्या की साजिश रचने के आरोप में देहरादून के कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, रेखा आर्य की शिकायत पर गुरुवार, 15 अक्टूबर को दर्ज प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच निरीक्षक संतोष सिंह कुंवर के स्तर से शुरू की गई है। प्राथमिकी में रेखा आर्य ने आरोप लगाया है कि उनका विवाह गिरधारी लाल साहू के साथ छह जुलाई 2004 को हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि साहू ने विवाह के समय स्वयं को अविवाहित बताया था, जबकि बाद में उन्हें पता चला कि वह पहले से विवाहित थे और उनके बच्चे भी हैं। शिकायत के अनुसार, पति के अन्य महिलाओं से संबंध होने का विरोध करने पर उनके साथ मारपीट और गाली-गलौच की गई तथा जान से मारने की धमकियां दी गईं। रेखा आर्य ने यह भी आरोप लगाया कि उनके सरकारी आवास पर कर्मचारियों के सामने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर उन्हें अपमानित किया गया। मंत्री ने प्राथमिकी में आरोप लगाया कि उनके कथित तौर पर कूटरचित हस्ताक्षरों और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर संबंधित कंपनियों में उन्हें निदेशक पद से हटाया हुआ दर्शाया गया,जबकि उन्होंने न तो कोई त्यागपत्र दिया और न ही ऐसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि हाल में उन्हें एक ऑडियो मिला,जिसमें कथित तौर पर साहू एक महिला से बातचीत के दौरान उनकी हत्या की साजिश रचते सुनाई दे रहे हैं। उन्होंने अपनी और अपने नाबालिग बच्चों की सुरक्षा को लेकर खतरा जताया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

अंतरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव में यूनेस्को धरोहर खोन और कुटियाट्टम में जीवंत हुई रामकथा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में संस्कृति विभाग और श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास द्वारा आयोजित सात दिवसीय 'अंतरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव' के चौथे दिन गुरुवार की शाम दर्शकों को भारत और थाईलैंड की समृद्ध नाट्य परंपराओं के माध्यम से श्रीरामकथा के विविध प्रसंग देखने को मिले। इस अवसर पर यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल थाईलैंड के 'श्री रामाकेन दल' ने पारंपरिक मुखौटों और मुद्राओं के साथ रामाकिएन पर आधारित मारीच-प्रसंग, सीता-हरण तथा राम-रावण युद्ध का जीवंत मंचन किया। केरल की दो हज़ार वर्ष पुरानी शास्त्रीय परंपरा 'कुटियाट्टम' शैली में शक्तिभद्र-रचित संस्कृत नाटक 'आश्चर्यचूड़ामणि' के चतुर्थ अंक 'जटायुवधम्' की सशक्त प्रस्तुति दी गई। अंतरराष्ट्रीय

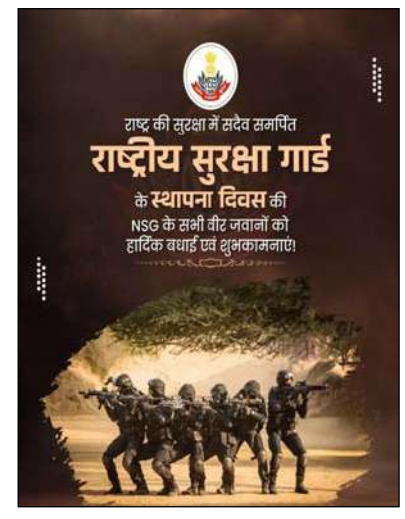


रामलाली उत्सव में रवींद्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर गुरुवार की शाम कुटियाट्टम केंद्र (केरलम) और 'नेपथ्य' संस्था के कलाकारों ने रावण-जटायु संवाद, युद्ध और जटायु के सर्वोच्च बलिदान के मार्मिक दृश्य को पारंपरिक मुद्राओं और भावपूर्ण अभिनय से साकार किया। मंच पर रावण की भूमिका मार्गी मधु चाक्यार, जटायु की भूमिका नेपथ्य राहुल चाक्यार और सीता की भूमिका नेपथ्य आरती ने निभाई, जबकि मिझावु और इडक्का वाद्यों की संगत ने दृश्य को अत्यंत प्रभावशाली बना दिया। संस्कृति संचालक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी एनपी नामदेव ने बताया कि इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य विविध कला-विधाओं के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों को आमजन, विशेष रूप से युवाओं तक पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि उत्सव के अंतर्गत तीन दिवसीय 'कौशलेय की वन-गमन गाथा' कथा-वाचन (स्टोरीटेलिंग) सत्र का भी शुभारंभ हुआ। प्रथम सत्र में अलवर के अंकित अवस्थी ने 'श्रीरामचंद्र वन-गमन पथ' पर अपने विचार रखते हुए युवा पीढ़ी (जेन जेड) को रामायणकालीन संस्कृति से जोड़ने और चित्रकूट के त्याग, मर्यादा व पारिवारिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत मुंबई की अमि गणात्रा ने 'वाल्मीकि के हनुमान - बुद्धिमताम् वरिष्ठम्' विषय पर व्याख्यान देते हुए स्पष्ट किया कि वाल्मीकि रामायण में श्रीहनुमान को केवल बाहुबली ही नहीं, बल्कि अपार बौद्धिक क्षमता, संवाद-कुशलता और वेद-व्याकरण के ज्ञाता के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

ओम बिरला, शाह व अन्य ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के स्थापना दिवस पर जवानों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के स्थापना दिवस पर जवानों को शुभकामनाएं दी। ओम बिरला ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के स्थापना दिवस पर देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले जाँबाज़ कमांडोज़ का अभिवादन। आतंकवाद और गंभीर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए गठित इस विशिष्ट बल ने अदम्य साहस, उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और असाधारण दक्षता से अपनी पहचान बनाई है। आतंकवाद-रोधी अभियानों से लेकर उच्च जोखिम वाले सुरक्षा दायित्वों तक, उनकी तत्परता, सटीक रणनीति और टीमवर्क उन्हें देश की सुरक्षा क्षमताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाते हैं। 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' के ध्येय के साथ राष्ट्र की रक्षा में जुटे एनएसजी के सभी जवानों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएँ। अमित शाह ने कहा कि एनएसजी के योद्धाओं ने भारत के सामने आए हर आतंकी खतरे को तूफानी तेवर के साथ नेस्तनाबूद किया है और अटूट साहस,



बेहतरीन पेशेवर क्षमता तथा वीरतापूर्ण बलिदानों के ज़रिए देश की रक्षा की है। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि देश के 'ब्लैक कैट कमांडो' असाधारण साहस, अनुशासन और समर्पण के प्रतीक हैं। राष्ट्र को सुरक्षित रखने और हर खतरे के सामने मजबूती से डटे रहने के उनके संकल्प को नमन करते हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एनएसजी के सभी जांबाजों ने अपने असाधारण समर्पण और निःस्वार्थ सेवाभाव से ध्येय वाक्य 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' को चरितार्थ करते हुए साहस और शौर्य की नई गाथा लिखी है। आपकी वीरता और कर्तव्यनिष्ठा पर हर भारतवासी को गर्व है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि देश की रक्षा के लिए आपका अदम्य साहस और समर्पण सभी के लिए प्रेरणा है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' के ध्येय के साथ देश की रक्षा में सदैव तत्पर राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के सभी वीर जवानों की अनुकरणीय भूमिका, अदम्य साहस और पराक्रम सम्पूर्ण राष्ट्र को गौरवान्वित करने वाला है।

झाबुआ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 9.42 करोड़ कीमत के 99 क्विंटल से अधिक गांजे के पौधे जब्त

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की झाबुआ पुलिस ने मादक पदार्थों के विरुद्ध चल रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 99 क्विंटल से अधिक वजन के गांजे के पौधे जब्त किए हैं। जब्त गांजे के पौधों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत नौ करोड़ 42 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार ने बताया कि ग्राम कलमोड़ा के दुर्गम एवं पहाड़ी क्षेत्र में कपास की फसल के बीच की जा रही अवैध गांजा खेती का पर्दाफाश करते हुए तीन अलग-अलग प्रकरणों में 15,609 गांजे के पौधे जब्त किए हैं। इन पौधों का कुल वजन 99 क्विंटल 16 किलो 427 ग्राम तथा अनुमानित कीमत 9 करोड़ 42 लाख रुपये है। तीनों प्रकरणों में एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।उन्होंने बताया कि कोतवाली थाना एवं पारा चौकी पुलिस को ग्राम कलमोड़ा में पहाड़ी, तलहटी एवं दुर्गम क्षेत्रों में कपास की फसल के बीच में अवैध गांजे की खेती किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने क्षेत्र में दबिश देकर तीन अलग-अलग स्थानों पर अवैध रूप से उगाए गए गांजे के पौधों को जब्त किया।

पहले मामले में 6,011 पौधे

पहले मामले में 6,011 पौधे जब्त किए गए। इनका वजन 4,732.37 किलो और अनुमानित कीमत चार करोड़ 49 लाख 57 हजार 515 रुपये बताई गई है। इस मामले में ग्राम कलमोड़ा निवासी वेलसिंह पुत्र मोहरिया डामोर को आरोपित बनाया गया है। खेती के लिए इस्तेमाल की गई वन क्षेत्र की जमीन करीब 1.086 हेक्टेयर बताई गई है। दूसरे मामले में पुलिस ने 5,308 पौधे जब्त किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत तीन करोड़ 31 लाख 50 हजार 915 रुपये बताई गई है। इस मामले में ग्राम कलमोड़ा निवासी भमरसिंह पुत्र मोहरिया डामोर को आरोपित बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, संबंधित वन भूमि का कुल क्षेत्रफल करीब 0.42 हेक्टेयर है। तीसरे मामले में 4,290 पौधे जब्त किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत एक करोड़ 60 लाख 93 हजार रुपए बताई गई है। इस मामले में ग्राम कलमोड़ा निवासी बापु पुत्र मोहरिया डामोर को आरोपित बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, संबंधित वन भूमि का कुल क्षेत्रफल करीब 0.478 हेक्टेयर है। पुलिस ने तीनों मामलों में अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस का नशामुक्त मध्य प्रदेश'' के संकल्प को साकार करने के लिए मादक पदार्थों की अवैध खेती एवं तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

वरिष्ठजनों के अनुभवों से संगठन को नई दिशा मिलती है

संगठन की मजबूती के लिए सभी कार्यकर्ताओं का एकजुट होकर कार्य करें : चन्द्रशेखर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री चन्द्रशेखर ने शुक्रवार को छिंदवाड़ा जिला कार्यालय में वरिष्ठजनों की बैठक को संबोधित कर निर्माणाधीन भाजपा कार्यालय का निरीक्षण किया। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री चंद्रशेखर ने कहा कि वरिष्ठजनों का अनुभव, मार्गदर्शन और संगठन के प्रति उनका समर्पण पार्टी की अमूल्य धरोहर है। वरिष्ठजनों ने अपने लंबे राजनीतिक एवं संगठनात्मक अनुभव, निरंतर परिश्रम और समर्पण से संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके अनुभवों से संगठन को नई दिशा मिलती है तथा कार्यकर्ताओं को जनसेवा और संगठनात्मक दायित्वों के निर्वहन की प्रेरणा प्राप्त होती है। किसी भी संगठन की मजबूती उसके समर्पित कार्यकर्ताओं, अनुभवी मार्गदर्शकों और आपसी समन्वय पर निर्भर करती है। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन संगठन की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के साथ ही नई पीढ़ी के कार्यकर्ताओं को संगठन की परंपराओं, विचारधारा और कार्यशैली से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनके अनुभवों एवं सुझावों



से संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने और भविष्य की योजनाओं को बेहतर ढंग से तैयार करने में सहायता मिलती है। बैठक में पार्टी के प्रदेश महामंत्री डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्री श?याम महाजन, जिला प्रभारी श्री आदित्य बबला शुक्ला, सांसद श्री विवेक बंटी साहू



एवं जिला अध्यक्ष श्री शेषराव यादव मंचासीन रहे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री चन्द्रशेखर ने कहा कि भाजपा में वरिष्ठजनों का सम्मान और उनके अनुभवों का लाभ लेना संगठनात्मक कार्यसंस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वरिष्ठजनों और युवा कार्यकर्ताओं के बीच निरंतर संवाद, आपसी सहयोग एवं समन्वय से संगठन को नई ऊर्जा मिलती है। संगठन की मजबूती के लिए सभी कार्यकर्ताओं का एकजुट होकर कार्य करना आवश्यक है। वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों से संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने वरिष्ठजनों के अनुभवों, विचारों एवं सुझावों को सुना और संगठन की गतिविधियों तथा कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। वरिष्ठजनों से संवाद के पश्चात प्रदेश संगठन महामंत्री श्री चंद्रशेखर ने वीआईपी रोड, खजरी चौक स्थित निर्माणाधीन भाजपा कार्यालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के निर्माण कार्यों का जायजा लेकर निर्धारित समय सीमा में बेहतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्री चन्द्रशेखर ने कहा कि नवीन भाजपा कार्यालय का निर्माण पूर्ण होने के बाद जिले में संगठनात्मक गतिविधियों के संचालन को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। कार्यालय पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करेगा।



नीरजा पाटिलः मत्स्य आहार उद्योग से लेकर फ्लोटिंग फिश केज निर्माण तक उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

श्रीमती नीरजा पाटिल एक ऐसी महिला उद्यमी हैं, जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प, मेहनत और दूरदर्शी सोच के बल पर मत्स्य पालन क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने न केवल मत्स्य आहार उद्योग की स्थापना कर मत्स्य कृषकों के लिए आहार की उपलब्धता सुनिश्चित की, बल्कि अपने उद्यम का विस्तार करते हुए फ्लोटिंग फिश केज निर्माण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल की है। उनकी यह सफलता महिला उद्यमिता, स्वरोजगार और मत्स्य क्षेत्र में औद्योगिक विकास का प्रेरणादायक उदाहरण है। अपने उद्यम की स्थापना के उद्देश्य से श्रीमती नीरजा पाटिल ने राजगढ़ जिले का भ्रमण किया। इस दौरान उनकी मुलाकात सहायक संचालक, मत्स्योद्योग, जिला राजगढ़ से हुई। विभागीय अधिकारियों के संपर्क में आने पर उन्हें भारत सरकार द्वारा संचालित नीली क्रांति योजना के अंतर्गत मत्स्य क्षेत्र में उपलब्ध उद्यम स्थापना की संभावनाओं की जानकारी प्राप्त हुई। योजना का अध्ययन करने के पश्चात उन्होंने मत्स्य आहार निर्माण इकाई स्थापित करने का निर्णय लिया। इस उद्देश्य से उन्होंने मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम से औद्योगिक क्षेत्र पीलूखेड़ी, तहसील नरसिंहगढ़, जिला राजगढ़ में प्लॉट/शेड क्रमांक 22 पर 3,900 वर्ग मीटर का भूखंड लीज पर प्राप्त किया। इसके पश्चात उन्होंने मत्स्य आहार मिल की स्थापना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार कर कार्यालय सहायक संचालक, मत्स्योद्योग, जिला राजगढ़ में आवेदन प्रस्तुत किया। तत्कालीन सहायक संचालक मत्स्योद्योग द्वारा उनके प्रस्ताव को जिला स्तरीय समिति से अनुमोदित कराने के उपरांत परियोजना का कार्य पूर्ण कर मूल्यांकन हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

राष्ट्रीय आयोग द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रारंभ करने के दिए निर्देश

सह-चिकित्सीय क्षेत्र में दक्ष मानव संसाधन तैयार करने के लिए आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना आवश्यकः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए सह-चिकित्सीय क्षेत्र में दक्ष एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों और तकनीकों के अनुरूप युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में एलाइड एंड हेल्थकेयर पाठ्यक्रमों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रारंभ करने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वल्लभ भवन में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में राष्ट्रीय एलाइड एंड हेल्थकेयर आयोग, भारत सरकार द्वारा जारी अंतरिम दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही करते हुए आयोग द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों को मध्यप्रदेश में तत्काल प्रभाव



से प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबद्धता एवं प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आयोग द्वारा एलाइड एंड हेल्थकेयर पाठ्यक्रमों के माध्यम से सह-चिकित्सीय क्षेत्र में उन्नयन, आधुनिक तकनीक के विस्तार तथा देशभर में पाठ्यक्रमों में एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अंतरिम दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। मध्यप्रदेश में इन पाठ्यक्रमों का संचालन निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग के मध्य समन्वय के साथ आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में उच्च शिक्षा आयुक्त श्री प्रबल सिंह, एलाइड काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार, एलाइड काउंसिल के सचिव डॉ. शेलोज जोशी सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

परिवहन सचिव ने किया सीहोर जिला परिवहन कार्यालय का निरीक्षण, नागरिकों को त्वरित और बेहतर सेवाएं देने के दिये निर्देश

नागरिकों को परिवहन संबंधी सेवाएं सरल, सुगम और समय-सीमा में कराई जाए उपलब्ध : परिवहन सचिव



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

सचिव मध्यप्रदेश सड़क परिवहन श्री मनीष सिंह ने सीहोर जिला परिवहन कार्यालय का मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान कार्यक्रम अन्तर्गत निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्थाओं, अभिलेख संधारण तथा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही ऑनलाइन सेवाओं की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय के विभिन्न कक्षों और पूरे परिसर का निरीक्षण करते हुए परिवहन सेवाओं के संचालन की स्थिति देखी तथा संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। श्री सिंह ने कार्यालयीन स्टॉफ से चर्चा कर कामकाज के दौरान आने वाली समस्याओं और कार्य प्रणाली से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी श्री रितेश तिवारी एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों के कार्यों को प्राथमिकता और गंभीरता से करें और सेवाओं की प्रदायगी में अनावश्यक विलंब न हो। साथ ही कार्यालय की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने और कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिये कहा। सचिव सड़क परिवहन श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान कार्यालय में संधारित किए जा रहे अभिलेखों का अवलोकन किया और दस्तावेजों के व्यवस्थित संधारण के निर्देश दिये। उन्होंने नागरिकों को प्रदान की जाने वाली ऑनलाइन सेवाओं की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि कार्यालय में आने वाले नागरिकों को परिवहन संबंधी सेवाएं सरल, सुगम और समय-सीमा में उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान श्री सिंह ने ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए परिवहन कार्यालय पहुंचे नागरिकों से चर्चा करते हुए।

सरकारी कामकाज में सरल हिंदी के प्रयोग और युवा कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मेरा युवा भारत, मध्यप्रदेश, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राज्य स्तरीय राजभाषा हिंदी कार्यशाला एवं विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सरकारी कार्यालयों में



हिंदी के प्रभावी प्रयोग, राजभाषा नियमों के पालन तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार पर विचार-विमर्श किया गया। वहीं, समीक्षा बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित युवा कार्यक्रमों की प्रगति और आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा हुई।

कार्यशाला में डॉ. जवाहर कर्नावट, सलाहकार, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केंद्र, रवींद्रनाथ टैगोर भोपाल तथा निदेशक, अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र और श्री अरविंद श्रीधर, निदेशक, माधवराव सप्रे संग्रहालय संस्थान ने सहभागिता की। वक्ताओं ने हिंदी की प्रासंगिकता, जनसामान्य से उसके जुड़ाव और सरकारी कामकाज में राजभाषा के प्रभावी उपयोग के महत्व पर अपने विचार रखे। अधिकारियों को कार्यालयीन पत्राचार एवं दैनिक कार्यों में सरल और सहज हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करने तथा राजभाषा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान हिंदी के तकनीकी प्रयोग, यूनिकोड के माध्यम से हिंदी में कार्य करने की सुविधा और भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की।

महालक्ष्मी नगर सब स्टेशन इंदौर में 50 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत : ऊर्जा मंत्री तोमर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि दशहरा और दीपावली पर्व के दौरान बिजली की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने इंदौर के 132 केवी जीआईएस महालक्ष्मी नगर सब स्टेशन में 50 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है। इससे सब स्टेशन की क्षमता बढ़कर 100 एमवीए हो गई है। इस वृद्धि से संबंधित क्षेत्रों में बढ़ते विद्युत भार को संभालने और पारेषण व्यवस्था की विश्वसनीयता बनाए रखने में मदद मिलेगी। इससे महालक्ष्मी नगर सब स्टेशन से जुड़े व्यावसायिक एवं घरेलू उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि जीआईएस महालक्ष्मी नगर सब स्टेशन से 33 केवी के 7 फीडरों के माध्यम से पश्चिमी इंदौर के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लगभग 90 हजार उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जाती है। पिछले वर्ष की तुलना में इस क्षेत्र में विद्युत भार में हुई वृद्धि को देखते हुए विशेष परिस्थितियों में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्वीकृत कर स्थापित किया गया है। इससे सब स्टेशन की क्षमता बढ़ने के साथ बढ़ती विद्युत मांग के अनुरूप आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। 132 केवी जीआईएस महालक्ष्मी सब स्टेशन से 33 केवी के विभिन्न फीडरों के माध्यम से बेस्ट प्राइस, शालीमार टाउनशिप, इन्फोटेल, स्कीम नंबर 134, डी.बी. अपोलो, महालक्ष्मी नगर क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जाती है। एमपी ट्रांसको इंदौर के अधीक्षण अभियंता श्री जयेश चौपडा ने बताया कि महालक्ष्मी नगर सबस्टेशन में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से इंदौर शहर की कुल ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता बढ़कर 1366 एमवीए हो गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान अन्तर्गत निर्मित रंगोली की सराहना

ह्यूमन रंगोली अन्तर्गत महिलाओं एवं छात्राओं ने बनाई मादा चीता मुखी की विशाल प्रतिकृति

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रोजेक्ट चीता के 4 वर्ष पूर्ण होने पर श्योपुर में 1,000 से अधिक महिलाओं एवं छात्राओं द्वारा ह्यूमन रंगोली के माध्यम से भारतीय मादा चीता 'मुखी' की विशाल प्रतिकृति बनाना अद्भुत और प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत नारी शक्ति की यह अनूठी पहल वन्य जीव संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और जनभागीदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आइए, हम सभी प्रकृति एवं वन्यजीवों के संरक्षण का संकल्प लें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितम्बर 2022 को श्योपुर जिले के कूनों में चीता पुर्नस्थापना प्रोजेक्ट की शुरूआत की थी। कूनों में चीतों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। मप्र अब चीता स्टेट भी बन गया है। प्रदेश में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान अन्तर्गत शुक्रवार को



श्योपुर जिले के ढेगदा स्थित क्रीडा परिसर में ह्युमन रंगोली के माध्यम से भारत में जन्मी मादा चीता ''मुखी'' की भव्य एवं आकर्षक विशाल प्रतिकृति बनाई गई। क्रियेटिव श्योपुर अंतर्गत बनाई गई इस ह्युमन रंगोली में महिला बाल विकास विभाग एवं एनआरएलएम से जुडी एक हजार से अधिक महिलाओं तथा कन्या आदिवासी परिसर की छात्राओं द्वारा चीते के मुख रंग आधारित परिधान पहनकर यह विशाल ह्यूमन रंगोली बनाई गई है। शारदीय नवरात्र के अवसर पर महिलाओं की सामूहिक सहभागिता ने इस आयोजन को महिला शक्ति, एकजुटता और वन्य जीव संरक्षण के संदेश से विशेष रूप से जोडा है। मादा चीता ''मुखी'' का जन्म 29 मार्च 2023 को कूनो नेशनल पार्क में हुआ था। वह नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला की संतान है। मुखी के नाम यह इतिहास दर्ज है कि 70 साल बाद भारत की धरती पर जन्म लेने वाली वह पहली चीता है, इसलिए चीता मुखी भारत में जन्मे पहली चीता पीढ़ी की खास पहचान है। नवंबर 2025 में मादा चीता मुखी ने पांच शावकों को जन्म दिया। यह भारत में चीता पुनर्स्थापन परियोजना के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय का हुआ सप्तम दीक्षांत समारोह

भारतीय कला-संस्कृति को विश्व पटल पर दें नई ऊँचाई : राज्यपाल पटेल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया है कि वे भारत की गौरवशाली कला, संस्कृति और संगीत को विश्व पटल पर नई ऊँचाईयों तक ले जाने के लिए संकल्पित हों। दीक्षांत समारोह, भावी जीवन के लिए गौरव, सम्मान और आत्म-विश्वास के साथ राष्ट्र-समाज के प्रति कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्धता का संकल्प लेने का समय होता है। उन्होंने कहा कि समारोह में प्रदान की गई कला एवं संगीत की उपाधि, उनकी प्रतिभा का प्रमाण है। कला और संगीत से समाज एवं राष्ट्र की सेवा का संकल्प पत्र भी है। राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को ग्वालियर में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्रदान की। सभी को बधाई एवं शुभकामनायें भी दीं। दीक्षांत समारोह का आयोजन, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में हुआ। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत, केवल मनोरंजन का साधन मात्र नहीं है, बल्कि यह धर्म और अध्यात्म से जुड़कर व्यक्ति के तन-मन और आत्मा को निर्मल भी करता है। कला, संस्कृति समाज एवं राष्ट्र की नींव का आधार है। इनकी मजबूती के बिना किसी भी राष्ट्र का विकास अधूरा होता है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति की कला साधना, सतत प्रयास और योगदान से ही भारत का वास्तविक सांस्कृतिक उत्थान होगा। उन्होंने नई पीढ़ी से आह्वान किया कि संगीत और कला के क्षेत्र में शोध, नवाचार और अनुसंधान के लिये आगे आए। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र और विश्व गुरू बनाने में योगदान दें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शिक्षा तभी शोभायमान होती है, जब उसमें संस्कृति की संवेदना शामिल हो।



विद्यार्थी अपने ज्ञान और गुणों से दूरस्थ, ग्रामीण, गरीब, वंचित और प्रतिभावान बच्चों के उत्थान में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति के साथ विलुप्त हो रहे लोक संगीत और कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये चिंतन करना अत्यंत जरूरी है। राज्यपाल श्री पटेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की दीक्षांत स्मारिका का लोकार्पण भी किया। संस्कृति, पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि संकल्पबद्ध होकर देश के सुखद भविष्य के निर्माण में अपना योगदान दें। आधुनिक बनें पर अपनी जड़ों से जुड़े रहें। मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाले मानवीय मूल्यों को हमेशा आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भारतीय कला, संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा भारत की संस्कृति सदैव कला, संगीत की पोषक रही है। हमारी संस्कृति में नाद को ब्रह्म की संज्ञा दी गई है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल कोठारी ने कहा कि विद्यार्थी अपने भीतर हमेशा सीखने की भावना जागृत रखें। अपने चरित्र को मजबूत रखें, क्योंकि चरित्र ही व्यक्ति की वास्तविक पहचान होता है। विश्वविद्यालय की कुलगुरू प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने दीक्षांत उपदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को संकल्प दिलाया कि ज्ञान का उपयोग ÷सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय÷ के लिये करें। आभार कुलसचिव डॉ. आशुतोष खरे ने माना। समारोह में प्रख्यात शास्त्रीय संगीत गायक पं. अजय पोहनकर ने भजन एवं ठुमरी की मनमोहक प्रस्तुति दी। उन्होंने गोविंद जय जय-गोपाल जय जय भजन और ÷कैसी ये भलाई कन्हाई पनिया भरन मोरि गगरि गिराई गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कुट्टू का आटा न कर दे बीमार, खाने से पहले इसमें जरूर चेक करें ये 5 चीजें



नवरात्रि व्रत में लोग कुट्टू के आटे की बनी चीजें काफी खाते हैं. इससे बीमार होने के मामले भी सामने आते रहते हैं. जान लें कि कुट्टू के आटे की बनी चीजें खाने से पहले इसमें क्या जरूर ध्यान देना चाहिए.

नवरात्रि के व्रत में फलाहार के तौर पर कुट्टू का आटा भी शामिल किया जाता है. हाल ही में एक मामला सामने आया है जिसमें यूपी के रामपुर में कुट्टू के आटे से बनी चीजें खाने से 25 लोगों की तबीयत खराब होने की जानकारी है. सभी को उल्टी, दस्त जैसी शिकायतें रहीं, इसके बाद खाद्य विभाग जांच में जुट गया. ये पहली बार ऐसा नहीं है कि कुट्टू का आटा खाने से तबियत बिगड़ी हो, इसलिए जरूरी है कि आप अगर व्रत के दौरान कुट्टू के आटे से कोई भी व्यंजन बनाने जा रहे हैं तो पहले कुछ बातों को ध्यान में जरूर रखें.कुट्टू के आटे से तबीयत बिगड़ने के कई कारण हो सकते हैं जैसे इसमें मिलावट होना या फिर ये काफी पुराना हो चुका हो. इस वजह से फूड पॉइजनिंग हो सकती है. तो चलिए जान लेते हैं कि ये कैसे पहचान सकते हैं जो कुट्टू का आटा आप खा रहे हैं वो सही है या फिर नहीं.

खुला आटा खरीदने से बचें

कुट्टू के आटे को व्रत के दौरान या फिर आम दिनों में भी खाना हो तो खुला आटा न खरीदें, क्योंकि हो सकता है कि ये कई दिन पुराना हो और खराब हो चुका हो. कई बार दुकानदार पुराने-सड़े आटे को छानकर बेच देते हैं जो आपको बीमार कर सकता है. अगर आटे में धागे जैसे दिख रहे हो या गांठें और नमी हो तो भी नहीं खरीदना चाहिए, क्योंकि ये फंगस हो सकती है.

पैकेट खरीदते वक्त दें ये ध्यान

कुट्टू के आटे का पैकेट ही लें. इसमें भी ध्यान रखें कि ये किसी अच्छे सर्टिफाइड ब्रांड का हो. इसके साथ ही ये जरूर देख लें कि निर्माण तिथि क्या है और एक्सपायरी डेट क्या होगी. ज्यादातर लोग आटा खरीदते वक्त एक्सपायरी डेट पर ध्यान नहीं देते हैं जो आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है.

रंग पर दें ध्यान

आपने जो कुट्टू का आटा खरीदा है उसके रंग पर ध्यान जरूर दें. फ्रेश आटा हल्का ग्रे या भूरा-भूरा सा होता है. अगर ये ज्यादा काला दिख रहा है या रंग डार्क है, उसमें पीलापन है तो इसका इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि हो सकता है कि ये मिलावटी आटा हो.

स्वाद और गंध करें चेक

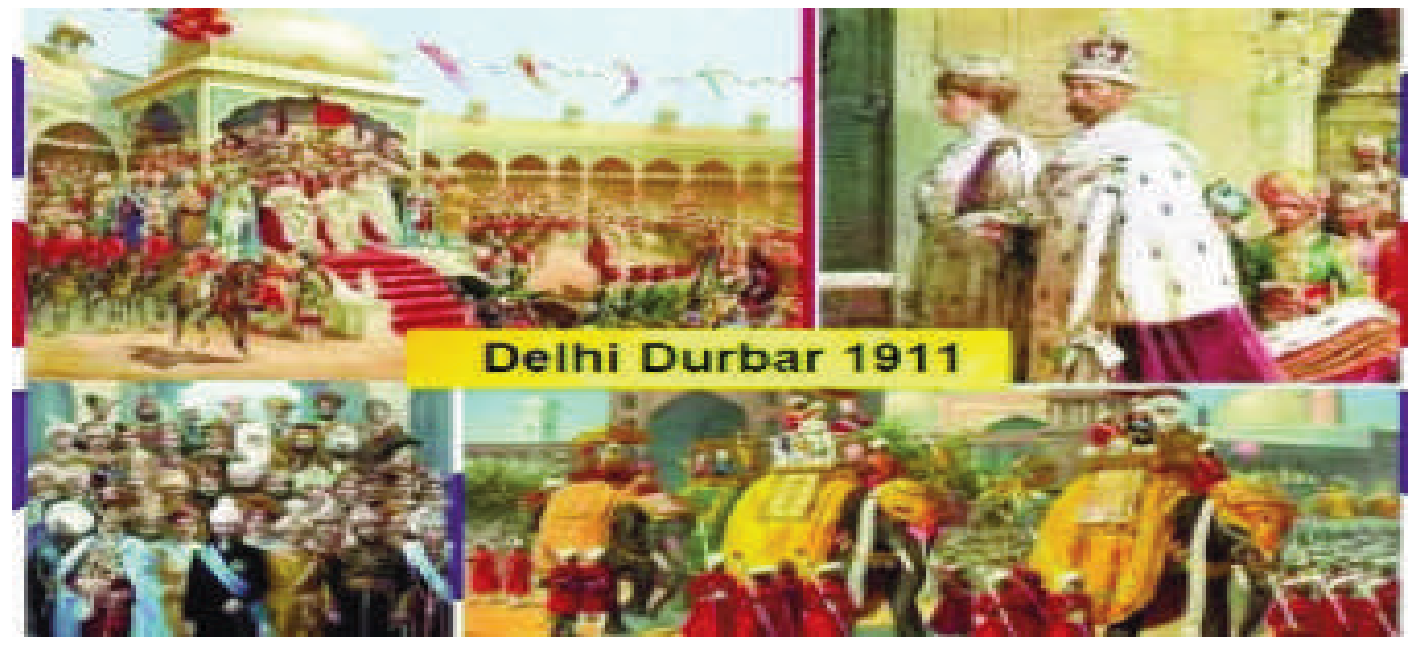
आटे की पूरी, पराठे, चीला आदि बनाने से पहले चुटकीभर आटा लेकर इसे सूखा ही चखकर जरूर देखें. अगर ये स्वाद अजीब सा महसूस हो तो इसका इस्तेमाल न करें. ताजे आटे में हल्की मिट्टी या नट्स जैसी नेचुरल सौंधी खुशबू होती है अगर आपको असामान्य गंध आए तो इसको खाने से बचें.

ये सावधानियां बरतें

हमेशा ध्यान रखें कि कुट्टू का आटा बहुत ज्यादा मात्रा में न खरीदें ये जल्दी खराब हो जाता है.

घर में भी आटा लाए हैं और कुछ ही दिन यूज करना है तो इसे हमेशा एयर-टाइट कंटेनर में स्टोर करें.

ज्ञान के समुद्र को सूखने मत दीजिए



किसी समाज की शक्ति उसके आधुनिक भवनों और डिजिटल साधनों के साथ-साथ इस बात से भी तय होती है कि वह अपने ज्ञान-संग्रह को कितना सुरक्षित रखता है। पुस्तकालयों का महत्व इसलिए लोकतंत्र के बुनियादी चरित्र से जुड़ा है। वे पाठकों को विविध विचारों, इतिहास की अलग-अलग व्याख्याओं और परस्पर विरोधी मतों से परिचित कराते हैं।

1911 में सम्राट जॉर्ज पंचम द्वारा ब्रिटिश भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा के साथ 1891 में स्थापित इम्पीरियल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी भी दिल्ली लाई गई। पहले इसे सिविल लाइंस स्थित ओल्ड सेक्रेटेरिएट भवन, फिर नॉर्थ ब्लॉक और अंततः 1969 में शास्त्री भवन में स्थान मिला। केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय यानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी के नाम से पहचानी जाने वाली लगभग 135 वर्ष पुरानी यह संस्था आज फिर विस्थापन के संकट में है। सवाल केवल 8.5 लाख से अधिक पुस्तकों को रखने की जगह का नहीं, बल्कि इस ज्ञान-संग्रह के संरक्षण और भावी पीढ़ियों तक इसकी पहुंच के प्रति हमारे सरोकार का भी है।इसी प्रश्न को तुलसी सदन पुस्तकालय की कहानी और व्यापक बनाती है। रामचरितमानस के 400 वर्ष पूरे होने पर 1972 में स्थापित इस पुस्तकालय में 14 भारतीय भाषाओं की पुस्तकें थीं। दिल्ली मेट्रो निर्माण के कारण 2011 में इसे अस्थायी रूप से बंद किया गया, लेकिन डेढ़ दशक बीतने को है और दो लाख से अधिक पुस्तकें अब भी डिब्बों में बंद हैं, पाठकों और शोधकर्ताओं की पहुंच से दूर।एक ओर केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय पर्याप्त स्थान की तलाश में है, दूसरी ओर तुलसी सदन की दो लाख से अधिक पुस्तकें वर्षों से पाठकों की पहुंच से दूर हैं। दोनों स्थितियां अलग होते हुए भी एक ही सवाल उठाती हैं– क्या हमारी विकास-यात्रा में ज्ञान की विरासत के लिए पर्याप्त जगह बची है?पुस्तकालय आखिर होते क्या हैं? क्या वे केवल अलमारियों में रखी पुस्तकों का समूह हैं? नहीं। वे किसी सभ्यता की स्मृति होते हैं। किसी समाज ने क्या सोचा, किन प्रश्नों से जूझा और विज्ञान, दर्शन, धर्म, साहित्य, चिकित्सा तथा शासन के बारे में क्या समझ विकसित की–इन सबका प्रमाण पुस्तकों और अभिलेखों में मिलता है। इसलिए किसी पुस्तक का नष्ट होना केवल एक वस्तु का नष्ट होना नहीं है; उसके साथ अतीत को समझने का एक रास्ता भी बंद हो जाता है।नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के विनाश की ऐतिहासिक स्मृति हमें चेताती है कि ज्ञान की धरोहर का नष्ट होना केवल पुस्तकों का नष्ट होना नहीं, बल्कि सभ्यता की स्मृति को क्षति पहुंचाना भी है। इतिहास के ऐसे प्रसंगों से सबक लेते हुए हमें समझना होगा कि पुस्तकालयों का संरक्षण केवल अतीत को सहेजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान और विचारों के रास्ते खुले रखना भी है।

केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय की स्थिति इसी कारण चिंताजनक है। शास्त्री भवन में लगभग 5,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में चार मंजिलों पर फैले इस पुस्तकालय में दुर्लभ पुस्तकें, पुराने दस्तावेज, सरकारी रिकॉर्ड और राजपत्र हैं। इसके दुर्लभ पुस्तक अनुभाग की सबसे पुरानी पुस्तक एक फ्रांसीसी यात्री के लेखों का संकलन है, जो 1702 का बताया जाता है। भारत सरकार के प्रकाशनों के महत्वपूर्ण भंडार के रूप में काम करने वाले इस पुस्तकालय का उपयोग सरकारी अधिकारियों, शोधार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों द्वारा भी किया जाता है। इतने समृद्ध ऐतिहासिक संग्रह को केवल स्थानांतरण की प्रशासनिक समस्या मानना उसकी वास्तविक महत्ता को कम करके आंकना होगा।केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय के लिए पर्याप्त जगह की आवश्यकता केवल पुस्तकों को रखने के लिए नहीं है। संग्रह के संरक्षण, पाठकों और शोधकर्ताओं की सुविधा तथा पुस्तकालय की अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए भी उपयुक्त स्थान चाहिए।अब इस मामले ने सर्वोच्च न्यायालय का भी ध्यान खींचा है। न्यायालय ने 135 वर्ष पुराने पुस्तकालय के पुनर्वास का स्वतः संज्ञान लिया। कर्तव्य भवन-02 के भूतल पर दो कमरों का प्रस्ताव संपदा निदेशालय ने जनवरी में दिया था, जिसे संस्कृति मंत्रालय ने अपर्याप्त बताया था। अब आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने कर्तव्य पथ पुनर्विकास योजना में पुस्तकालय के लिए स्थान निर्धारित किए जाने और निर्माण प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी है। अंतिम कसौटी यही होगी कि यह स्थान पुस्तकालय के संग्रह, संरक्षण और पाठक सुविधा की जरूरतें पूरी करता है या नहीं।

पुस्तकालय का जीवन उसके पाठकों से है। दुर्लभ पुस्तकें यदि गोदामों में बंद रहें और शोधकर्ता उन तक न पहुंच सकें तो संरक्षण अधूरा है। केवल डिजिटलीकरण भी इसका विकल्प नहीं, क्योंकि मूल पुस्तक की भौतिक विशेषताएं और ऐतिहासिक संकेत डिजिटल प्रति में पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहते। इसलिए प्रशिक्षित अभिलेखपाल, वैज्ञानिक संरक्षण, डिजिटलीकरण और सबसे बढ़कर पाठकों-शोधकर्ताओं के लिए सहज पहुंच–इन सभी को समान महत्व देना होगा। ज्ञान को सुरक्षित रखकर भी यदि उसे लोगों तक पहुंचने से रोक दिया जाए तो वह जीवित परंपरा नहीं रह जाता।यहां प्रश्न केवल %विकास बनाम विरासत% का नहीं है। असली प्रश्न यह है कि विकास की परिभाषा में ज्ञान और स्मृति के लिए कितनी जगह है। क्या आधुनिक भवनों के साथ हमारे पुराने ज्ञान-भंडार भी सुरक्षित रहेंगे, या पुस्तकालय विकास की दौड़ में पीछे छूट जाएंगे? और इससे भी बड़ा प्रश्न है–क्या हम उस ज्ञान-समुद्र को सूखने दे रहे हैं, जिससे समाज की ज्ञान-धारा निकलती है?किसी समाज की शक्ति उसके आधुनिक भवनों और डिजिटल साधनों के साथ-साथ इस बात से भी तय होती है कि वह अपने ज्ञान-संग्रह को कितना सुरक्षित रखता है। पुस्तकालयों का महत्व इसलिए लोकतंत्र के बुनियादी चरित्र से जुड़ा है। वे पाठकों को विविध विचारों, इतिहास की अलग-अलग व्याख्याओं और परस्पर विरोधी मतों से परिचित कराते हैं। इससे समाज किसी एक आख्यान या सत्ता-केंद्रित दृष्टि पर निर्भर रहने के बजाय प्रश्न करने, विचारों की तुलना करने और अपने निष्कर्ष स्वयं बनाने की क्षमता विकसित करता है।भारत के सामने आज अवसर है कि वह अपनी पुस्तकालय नीति को केवल भवन, बजट और पुस्तकों की संख्या तक सीमित न रखे। लखनऊ का मुंशी नवल किशोर प्रेस, रामपुर रज़ा पुस्तकालय, तुलसी सदन, केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय और नगर निगम स्तर के पुस्तकालय हमारी ज्ञान-धरोहर की विविध परतों को सुरक्षित रखते हैं। इन्हें भी उतनी ही गंभीरता से संरक्षित किया जाना चाहिए, जितनी गंभीरता से हम अपने स्थापत्य स्मारकों की रक्षा करते हैं।

आवश्यकता केवल केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय को पर्याप्त जगह देने या तुलसी सदन की पेटियां खोलने की नहीं, बल्कि ऐसी संस्कृति विकसित करने की है जिसमें पुस्तकालय खर्च नहीं, ज्ञान में निवेश हों; दुर्लभ पुस्तकें पुराना कागज नहीं, सामूहिक स्मृति हों; और पाठक ज्ञान-संपदा का स्वाभाविक अधिकारी हो।भारत को पुस्तकालयों के संरक्षण के लिए समर्पित निधि, आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की व्यवस्था करनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग और निजी क्षेत्र की भागीदारी से भी इस प्रयास को बल मिल सकता है। लेकिन इन सबका उद्देश्य केवल पुस्तकों को बचाना नहीं, उन्हें पाठकों और शोधकर्ताओं तक पहुंचाना होना चाहिए।

संपादकीय

भरोसे की परीक्षा

निस्संदेह, कैरियर से जुड़ी परीक्षाएं लाखों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती हैं। ऐसे में परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी पर परीक्षार्थियों का भरोसा कायम होना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में देशभर में जो युवा असंतोष के स्वर मुखर हो रहे हैं, उसकी शुरुआत नीट परीक्षा प्रणाली की विफलता से हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली के अलावा झारखंड, बिहार व महाराष्ट्र आदि राज्यों में परीक्षा की विसंगतियों के चलते परीक्षार्थी आंदोलन करते नजर आए हैं। जब युवाओं में अपने भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हुई तो उनके सड़क पर उतरने का सिलसिला तेज हुआ। प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रति उपजे अविश्वास को दूर करने के लिये केंद्र सरकार ने इन्फोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि को परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिये बनायी गई एक उच्च स्तरीय कमेटी का प्रमुख बनाया था। हाल ही में नीलेकणि ने परीक्षा सुधार के लिये तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पहल उपयोगी साबित हो सकती है। निस्संदेह, आज देश को एक ऐसी परीक्षा प्रणाली की जरूरत है, जिसमें हर छात्र निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सके। साथ ही परीक्षा के परिणामों पर भरोसा कर सके। दरअसल, नीलेकणि ने पेपर लीक रोकने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नया तरीका सुझाया है। उनका एआई का प्रयोग करके अंतिम दौर में प्रश्नपत्र तैयार करने का सुझाव, ऐसे सिस्टम में सुधार का अवसर देता है, जिसे परीक्षार्थियों के भरोसे की सख्त जरूरत है। उनका तर्क है कि आखिरी समय में एक बड़े प्रश्न बैंक से पेपर तैयार करने पर लीक के पीछे का अनैतिक मुनाफे का कारोबार खत्म हो सकता है। निस्संदेह, उनके इस सुझाव और देशभर में कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को अपनाए जाने की बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। निर्विवाद रूप से तकनीकी इनोवेशन के जरिये प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने में मदद मिल सकती है। लेकिन इसके साथ ही संस्थागत जवाबदेही भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण व विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में सभी प्रतियोगी छात्रों की पहुंच होनी भी जरूरी है।निस्संदेह, एआई की मदद से पेपर तैयार करने का सुझाव तार्किक है। यदि परीक्षा से ठीक पहले सुरक्षित तरीके से सवाल चुने जाएंगे तो परीक्षा से पूर्व पेपर आउट होने की आशंका कम हो जाएगी। लेकिन इसके बावजूद ऐसा ऑफलाइन सिस्टम बनाना भी जरूरी है, जो परीक्षा की जांच से जुड़ी गलतियों, पक्षपात और हेराफेरी रोकने के लिये स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके। यानी तकनीक के साथ-साथ इंसानी निगरानी भी जरूरी होगी। इसके अलावा कंप्यूटर आधारित टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रस्तावित विस्तार पर उतना ही ध्यान देने की भी जरूरत होगी। हालांकि, वर्तमान में पहले से ही डेढ़ लाख टेस्टिंग सेंटर देश में मौजूद हैं। लेकिन लाखों उम्मीदवारों के लिये सुरक्षित इंटरनेट कनेक्टिविटी और गुणवत्ता के मानकों वाली परीक्षा सुविधाओं की भी जरूरत होगी। जिसकी कमी से ग्रामीण इलाकों के छात्रों और आर्थिक रूप से पिछड़े इलाकों के उम्मीदवारों को प्रतियोगिता परीक्षाओं के दौरान किसी तरह के नुकसान का सामना न करना पड़े । यहां उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी एक कमेटी ने सुरक्षा, प्रबंधन और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कामकाज पर कई अहम सुझाव दिए थे। इसके बावजूद, बाद में हुए विवादों, जिनमें 2026 का नीट पेपर लीक प्रकरण भी शामिल है, ने सिफारिशों को लागू करने में गंभीर खामियों को ही उजागर किया है। किसी भी एक और कमेटी बनाने से तब तक कोई विशेष लाभ नहीं हो सकता है, जब तक कि उसके सुझावों को ठोस और मापने योग्य कार्रवाई में नहीं बदल दिया जाता है। अकसर प्रतियोगिता परीक्षाओं में प्रश्न पत्र लीक होने के पीछे मानवीय दुर्बलताओं और प्रलोभन के चलते नैतिक मूल्यों का पराभव भी उजागर हुआ है। यहां तक कि प्रश्नपत्र बनाने की प्रक्रिया में शामिल लोगों की भूमिका भी पेपर आउट में सामने आई है। परीक्षा के लिये प्रश्नपत्र तैयार करने की व्यवस्था से जुड़े लोग किसी संदिग्ध गतिविधि में लिप्त न हो सकें, इसके लिये भी चाक-चौबंद व्यवस्था करने की जरूरत महसूस की जा रही है। तभी परीक्षार्थियों का परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा कायम हो सकेगा।

न्यायालय का कड़ा कदम और विपक्ष का दबाव हो सकते हैं इस्तीफ़े का कारण





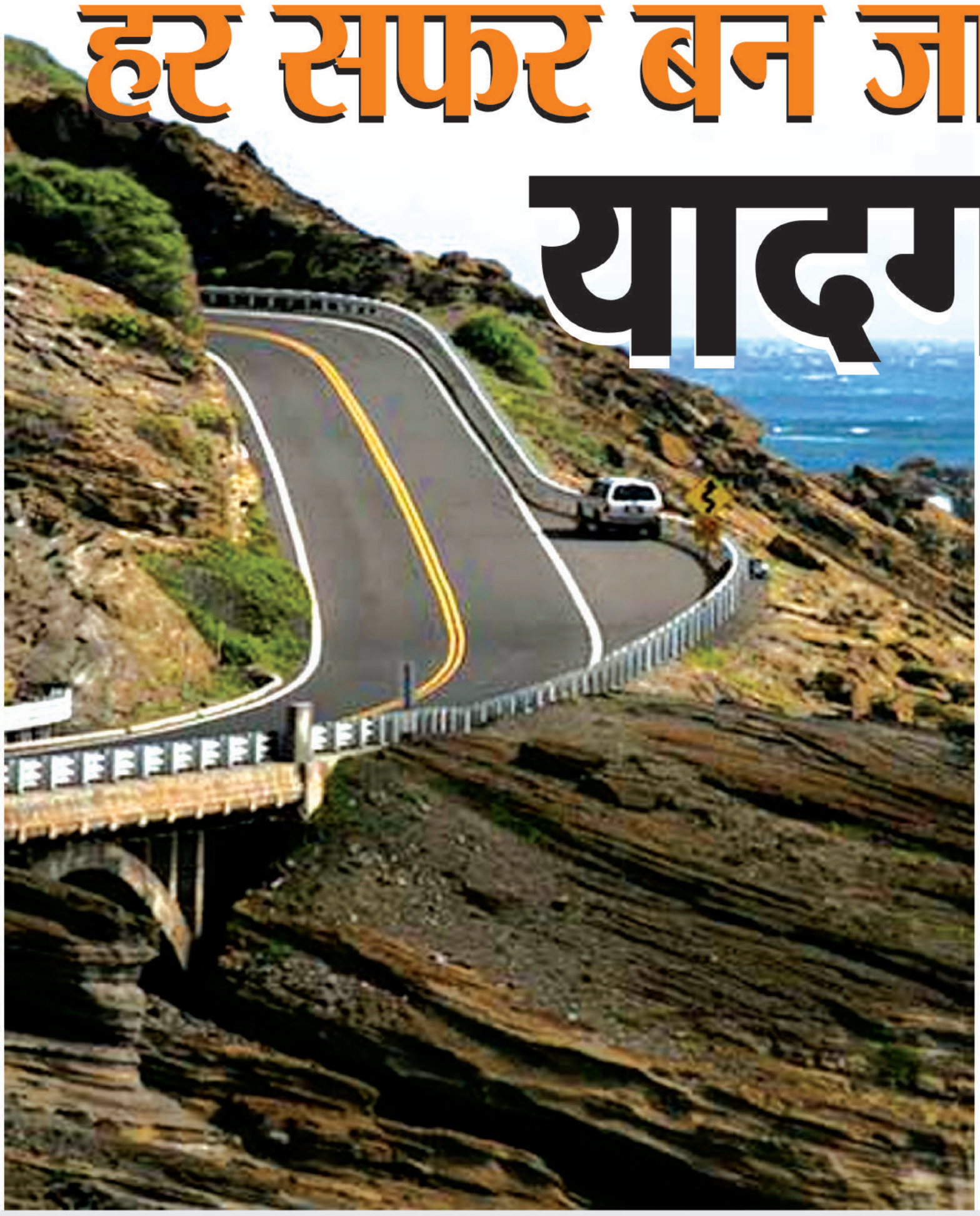
मौजूदा नियमों के अनुसार, वर्तमान सीईसी को उनके कार्यकाल के दौरान किए गए किसी भी काम के लिए क़ानून का संरक्षण प्राप्त है। सरकार उन्हें बर्खास्त नहीं कर सकती। संसद द्वारा उन पर महाभियोग चलाया जा सकता है, लेकिन भाजपा और उसके सहयोगियों के पास भारी बहुमत होने के कारण अभी यह व्यावहारिक नहीं है। विपक्ष शायद दूसरी बार महाभियोग की कोशिश न करे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बात को लेकर बड़ी उलझन में हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की विपक्ष की मांग से कैसे निपटा जाए। मौजूदा हालात अस्थिर हैं और मामला सीईसी को हटाने की मांग से आगे बढ़कर गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफ़े तक भी जा सकता है, जो दिल्ली में अघोषित लॉकडाउन लगाने और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को दबाने के फ़ैसलों के पीछे मुख्य व्यक्ति रहे हैं।आइए सबसे पहले चुनाव आयोग की बात करते हैं। सीईसी ज्ञानेश कुमार 26 जनवरी, 2029 को रिटायर करने वाले हैं, जो अप्रैल/मई 2029 में होने वाले अगले लोकसभा चुनावों की प्रक्रिया शुरू होने से ठीक दो महीने पहले का समय है। मौजूदा दो चुनाव आयुक्तों में से सबसे वरीय डॉ. सुखबीर सिंह संधू 5 जुलाई, 2028 को रिटायर होंगे। दूसरे, डॉ. विवेक जोशी, 18 फ़रवरी, 2031 को रिटायर होंगे। इसलिए, अप्रैल/मई 2029 में अगले लोकसभा चुनावों के समय, मौजूदा तीन सदस्यीय ईसी में से केवल डॉ. विवेक जोशी ही बचे रहेंगे। सरकार को जुलाई 2028 के बाद एक नया चुनाव आयुक्त नियुक्त करना होगा।मौजूदा नियमों के अनुसार, वर्तमान सीईसी को उनके कार्यकाल के दौरान किए गए किसी भी काम के लिए क़ानून का संरक्षण प्राप्त है। सरकार उन्हें बर्खास्त नहीं कर सकती। संसद द्वारा उन पर महाभियोग चलाया जा सकता है, लेकिन भाजपा और उसके सहयोगियों के पास भारी बहुमत होने के कारण अभी यह व्यावहारिक नहीं है। विपक्ष शायद दूसरी बार महाभियोग की कोशिश न करे। मोदी सरकार के पास उनके कार्यकाल के पूरा होने से पहले उनसे छुटकारा पाने का एकमात्र तरीका यही है कि उनसे खुद इस्तीफ़ा देने के लिए कहा जाए। ज्ञानेश कुमार को मोदी-भक्त माना जाता है। केरल सरकार में सचिव रहते हुए उन्होंने मोदी और भाजपा के लिए काम किया है। अगर हालात की मांग हुई तो वह प्रधानमंत्री की बात मान सकते हैं। ज्ञानेश कुमार, जिन्हें %टास्क मास्टर' माना जाता है, भाजपा में शामिल हो सकते हैं और मंत्री भी बन सकते हैं।लेकिन यह इस्तीफ़ा दो बातों पर निर्भर करता है। पहली बात, सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग और उसके तीनों सदस्यों को नोटिस भेजकर पूछा है कि क्या फ़ैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे। अगर फ़ैसले सर्वसम्मति से नहीं लिए गए थे, तो सर्वोच्च न्यायालय उन्हें रद्द कर सकता है। अब सवाल यह है कि इंडियन एक्सप्रेस' की खबर की सच्चाई जानने के लिए सर्वोच्च न्यायालय दोनों चुनाव आयुक्तों से आमने-सामने बात करने में कितना आगे जाएगा। अगर सर्वोच्च न्यायालय सिर्फ़ चुनाव आयोग के आधिकारिक जवाब को मान लेता है, तो इसका कोई खास मतलब नहीं होगा, क्योंकि सीईसी बाकी दोनों पर दबाव डालकर संयुक्त बयान जारी करवा सकते हैं कि सभी फ़ैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे।इसके अलावा, सर्वोच्च न्यायालय को बदले हुए %फॉर्म 6' के मामले पर भी सख्ती से कार्रवाई करनी होगी, जिसे अदालत ने मंजूरी नहीं दी थी, जबकि सीईसी ने दावा किया था कि उन्हें अदालत की मंजूरी मिल गई थी। सर्वोच्च न्यायालय निश्चित रूप से सीईसी पर झूठ बोलने और अदालत के विचारों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगा सकता है। सवाल यह है कि क्या सर्वोच्च न्यायालय कानूनों का पालन करने में नैतिक और चारित्रिक विफलता के लिए ज्ञानेश कुमार के खिलाफ़ कड़ी टिप्पणी करेगा। सर्वोच्च न्यायालय को सीईसी को हटाने का आदेश देने का अधिकार नहीं है, लेकिन न्यायालय निश्चित रूप से सीईसी पर अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने में घोर विफलता का आरोप लगा सकता है। तब इसका मतलब होगा कि नैतिक रूप से, ज्ञानेश कुमार सीईसी बने रहने का अपना अधिकार खो देंगे।मौजूदा सीईसी के खिलाफ़ एक और बात है। केरल विधानसभा ने ज्ञानेश कुमार को सीईसी पद से हटाने के समर्थन में एक प्रस्ताव पारित किया है। देश में किसी विधानसभा का यह पहला ऐसा कदम है। साथ ही, केरल सरकार ने ज्ञानेश कुमार से जुड़ा एक पुराना मामला फिर से खोल दिया है, जिसमें उन पर केरल सरकार के एक अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था। अगर इस मामले में आगे कार्रवाई होती है और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ़ फ़ैसला आता है, तो उसे लागू किया जा सकता है क्योंकि यह मामला सीईसी को उनके मौजूदा कार्यकाल के दौरान मिलने वाली सुरक्षा के दायरे से बाहर है। अब सवाल यह उठता है कि प्रधानमंत्री सीईसी को बचाने का जोखिम क्यों उठा रहे हैं, जबकि उन्हें कानूनी स्तर पर इसके नतीजों का पता है। साथ ही, सीईसी ज्ञानेश कुमार के तहत चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोपों और सीईसी को हटाने की मांग पर छात्रों, बुद्धिजीवियों और सिविल सोसायटी के लोगों की भारी प्रतिक्रिया से विपक्ष को जो फायदा मिल रहा है, उसे भी वे जानते हैं।

वजह साफ़ है, नरेंद्र मोदी और अमित शाह को ईसी में अपनी तरफ़ से काम करने और आने वाले चुनावों (जो 2029 के मध्य में आम चुनावों के साथ खत्म होंगे) में राज्यों में भाजपा को जिताने में मदद के लिए ज्ञानेश कुमार की ज़रूरत है। हालांकि ज्ञानेश कुमार 26 जनवरी 2029 को रिटायर हो जाएंगे, लेकिन उम्मीद है कि वे चुनाव आयोग के कामकाज को इस तरह से ढाल देंगे कि नये सीईसी, जो पद संभालेंगे, चाहकर भी उस स्थिति में ज़्यादा बदलाव नहीं कर पाएंगे। प्रधानमंत्री फिर डॉ. विवेक जोशी को सीईसी के तौर पर प्रोन्नत कर सकते हैं या ज्ञानेश कुमार के रिटायर होने के बाद किसी नए भरोसेमंद नौकरशाह को नया सीईसी नियुक्त किया जा सकता है।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के लिए, तुरंत प्राथमिकता मार्च 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हैं। भाजपा उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव हारने का जोखिम नहीं उठा सकती, जैसा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में हुआ था, जब पार्टी को सिर्फ़ 33 सीटें मिली थीं जबकि इंडिया ब्लॉक को 43 सीटें मिली थीं। अगर सीईसी के कहने पर कुछ चुनिंदा निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव अधिकारी थोड़ी भी मदद कर दें, तो उत्तर प्रदेश में भाजपा को चुनावी तौर पर बड़ा फ़ायदा हो सकता है, जिसकी उसे सख़्त ज़रूरत है।इसलिए अभी सरकार और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का मुख्य ध्यान इस बात पर है कि चुनाव आयोग के हालिया फ़ैसलों की जानकारी की सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जा रही जांच की प्रक्रिया में देरी हो। उम्मीद है कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, चुनाव आयोग की ओर से जवाब देने के लिए नई तारीखें मांगने की पूरी कोशिश करेंगे। अब सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि क्या सर्वोच्च न्यायालय संविधान की मूल भावना यानी वोट देने के अधिकार की रक्षा करने वाले शेर की तरह काम करेगा, या फिर अधूरी टिप्पणियों के ज़रिए सीईसी को आलोचना से बचने देगा। इस तरह, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े पर नरेंद्र मोदी का अंतिम फ़ैसला भी सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम आदेश पर निर्भर करेगा।

यात्रा

हर सफर बन जाएगा यादगार



सफर करने के बारे में सबसे मजेदार बात है, हर कदम पर किसी नई खोज का रोमांच। फिर चाहे वह किसी बच्चे द्वारा ट्रेन की खिड़की से पहली बार खुले में ऊँटों को चरते देखने का रोमांच हो या फिर पहली-पहली बार किसी अजनबी देश में कदम रखने पर नजर आने वाली एक अलग दुनिया का रोमांच।

यूँ इंसान अपने घर, अपने जाने-पहचाने माहौल के सुरक्षा कवच में सबसे सहज महसूस करता है, लेकिन नएपन की लालसा भी उसका पीछा नहीं छोड़ती। कुछ नया देखने की लालसा ही उसे दुनिया घुमा लाती है।

कभी आदिमानव कुछ नया तलाशने के लिए एक जंगल से दूसरे जंगल जाता था। आज उसका वंशज महासागर की गहराइयों में गोता लगा चुका है और अंतरिक्ष के निर्वात अंधकार में चहल-कदमी कर चुका है। इन दो विपरीत छोरों के बीच आम मानव रोज कई प्रकार के छोटे-बड़े सफर करता रहता है।

जरूरी नहीं कि यात्रा कहीं दूर की हो, बोरिया-बिस्तर बाँधकर रेल, बस, जहाज या विमान से की जाए। अपने ही शहर में, कभी उन रास्तों-गलियों से निकलिए, जहाँ से आपका अब तक गुजरना नहीं हुआ है। कुछ नया दिखेगा, कोई नई खोज होगी। सोचने के नए आयाम खुलेंगे। कोई कह गया है कि सफर का उद्देश्य मंजिल पर पहुँचना नहीं, बल्कि मंजिल तक पहुँचने की प्रक्रिया का पूरा आनंद लेना होना चाहिए। जब हमारी निगाहें महज मंजिल पर टिकी होती हैं, तब रास्ते अक्सर अनदेखे रह जाते हैं... और कायनात का सारा कोलाहल, संसार का सारा स्पंदन, जिंदगी की तमाम रेलमपेल इन रास्तों पर ही तो बिखरी पड़ी है। इन्हें नहीं देखा तो सफर महज एक ठिकाना छोड़ दूसरे ठिकाने पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना भर हुआ, जबकि सफर मौका देता है कदम-कदम पर नए झरोखे से नया संसार देखने का, नए मित्र, नए गुरु पाने का, अनसोचे अनुभवों से गुजरकर नई जानकारी, नए ज्ञान के सागर में नहाने का। खैर, सच यह है कि लोग कई कारणों से सफर करते हैं।

कोई घर या दफ्तर के किसी कार्य विशेष के सिलसिले में एक स्थान से दूसरे स्थान जाता है, कोई छुट्टियों में घूमने जाने की औपचारिकता निभाने तो कोई तीर्थ करने। बहुत कम लोग सफर करने के लिए सफर पर निकलते हैं। ऐसे लोगों को न मंजिल पर पहुँचने की जल्दी होती है, न घर लौट आने की चिंता।



आप यह तय करके घर तो नहीं बैठ सकते कि कोई अच्छा अनुभव हो तो ही बाहर निकलूँ। जीवन के प्रवाह में छलाँग लगाने पर ही पता चलता है कि कब कौन-सा अनुभव अच्छा रहा और कब कौन-सा बुरा। छोटी-मोटी परेशानियाँ सफर का हिस्सा ही होती हैं। जब दुनिया को देखने, जानने निकले हैं तो इसके दोनों रूप देखने में ही तो यात्रा की परिपूर्णता होगी।

सर्दी के मौसम में आमतौर पर लोग जबर्दस्त ठंड से बचने के उपाय करते रहते हैं लेकिन इससे उलट इस मौसम का मजा भी उठाया जा सकता है। हमारे देश में ऐसे कई इलाके हैं जहाँ सर्दियों में सैलानी बर्फ का मजा उठाने के लिए जाना पसंद करते हैं।

सर्दियों का स्वागत करता उत्तराखंड

बर्फ का मजा उठाने के लिए पहला नाम जो हमारे जेहन में आता है वह जम्मू-कश्मीर का है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सुदूर उत्तर-पूर्व का तवांग भी सर्दियों में बर्फ का मजा लेने का अच्छा ठिकाना है। बर्फ में मौज-मस्ती का मजा ही अलग है। इससे ऊर्जा भी भरपूर मिलती है और रिश्तों में गर्माहट भी आती है।

जाड़ों में मध्य हिमालय (1200 मीटर-4000 मीटर) स्थित उत्तराखंड के कई हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत हो जाते हैं। बर्फबारी में नहाया पहाड़ तो पर्यटकों को अपनी ओर चुंबक की तरह खींचता है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह से लेकर फरवरी के मध्य तक उत्तराखंड के कई पर्यटक स्थलों पर बर्फ गिरती है।

अंग्रेजों के बसाए शहर नैनीताल और मसूरी तो के नजदीक होने तथा रेल स्टेशनों के बिलकुल पास होने के कारण पर्यटकों की पहली पसंद हैं। इन दोनों ही शहरों तक दिल्ली से सड़क से 7 से 10 घंटे में पहुँचा जा सकता है। मसूरी तथा नैनीताल में बर्फबारी की खबर लगते ही दिल्ली, गुड़गाँव, गाजियाबाद तथा उत्तर भारत के शहरों के पर्यटक इन पर्वतीय पर्यटक स्थलों की ओर भाग पड़ते हैं। नैनीताल में बर्फ के साथ खेलने के लिए पर्यटकों की पसंदीदा जगह तो ऐतिहासिक माल रोड ही है पर यदि माल रोड में पड़ी बर्फ पर्यटकों को कम लगे तो वे नैनीताल शहर के ऊपर स्नो व्यू, टिफिन टॉप से लेकर किलवरी मार्ग पर दूर हिमालय दर्शन तक जा सकते हैं। हिमालय दर्शन से हिमालय की चोटियों का विहंगम दृश्य दिखता है। क्रिसमस के आस-पास यदि बर्फबारी हो जाए तो पर्यटक नैनीताल में त्योहार और छुट्टियों का दोगुना आनंद लेते हैं।

राजधानी देहरादून के पास मसूरी में भी साल में 3-4 बार बर्फबारी हो जाती है। बर्फबारी के होते ही पर्यटकों का हुजूम मसूरी आ जाता है। इस भीड़ से मसूरी के नीचे किंगररेग तक के रास्ते जाम हो जाते हैं। मसूरी तथा नैनीताल और उसके आस-पास सभी बजट श्रेणी में पर्याप्त होटल उपलब्ध हैं। बर्फबारी का मजा लेने के लिए पर्यटक मसूरी के लाल टिब्बा, किनोग हिल, जॉर्ज एवरेस्ट, गन हिल तथा क्लाउड ऐंड स्थानों पर जाते हैं।

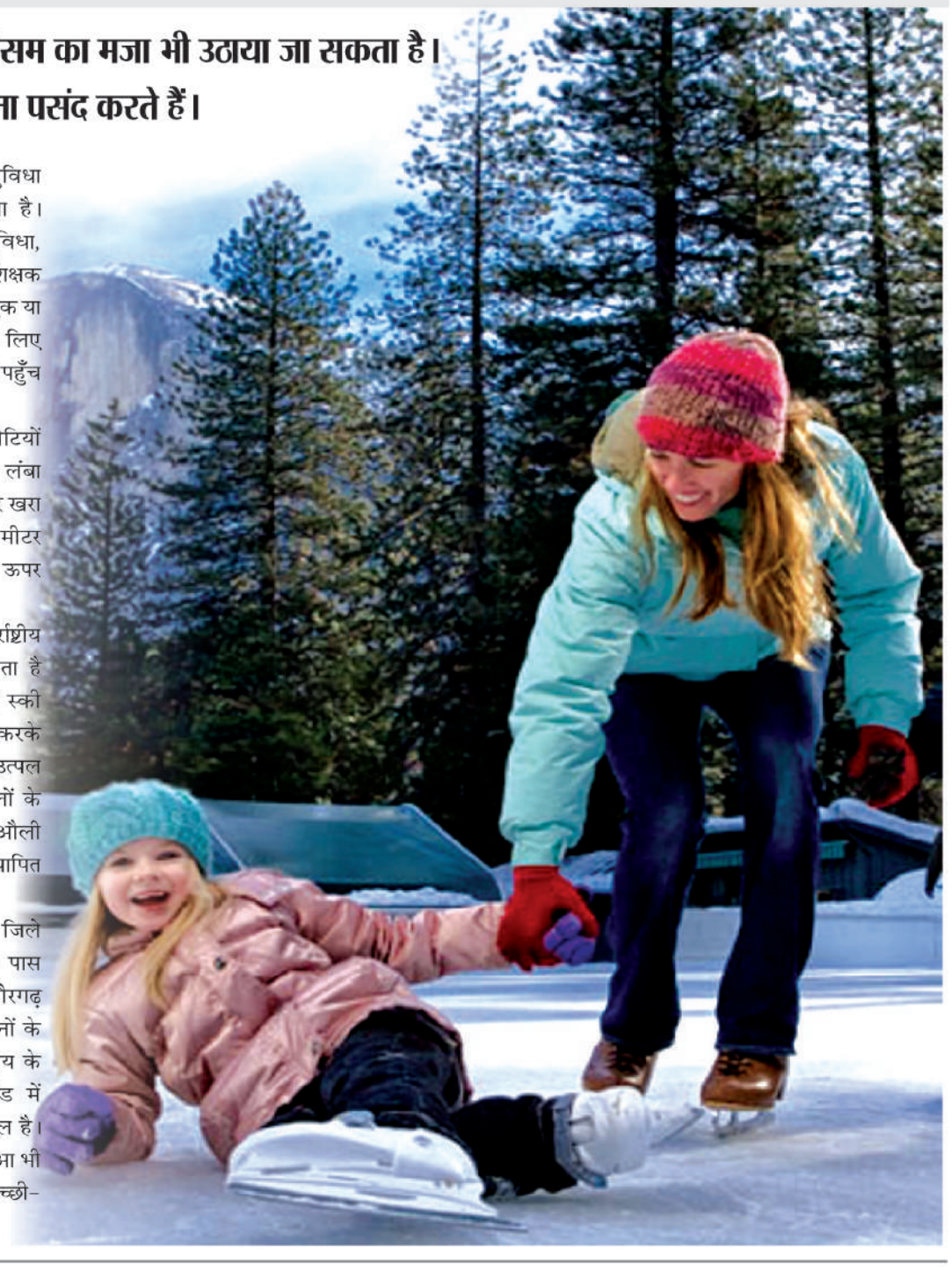
मसूरी से 32 किमी दूर स्थित नव पर्यटक स्थल धनौल्टी तक बर्फबारी के बीच सड़क के दोनों ओर बर्फ जम जाती है। इस मार्ग पर तब गाड़ी चलाने का आनंद दोगुना हो जाता है। चमोली जिले के जोशीमठ से 15 किमी दूर औली तो अब विश्व प्रसिद्ध स्कीइंग केंद्र तथा शीतकालीन रिजॉर्ट का रूप ले चुका है।

यहाँ 2010 के जनवरी-फरवरी में शीतकालीन सैफ खेलों का आयोजन होना है। औली में स्कीइंग के 7 दिवसीय, 14 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए तथा पर्यटकों के लिए एक-दो दिवसीय स्कीइंग करने की सुविधा गढ़वाल मंडल विकास निगम उपलब्ध कराता है। विद्यार्थियों के लिए तो रहने, खाने की सुविधा, उपकरणों, स्की लिफ्ट की उपलब्धता मय शिक्षक 5,500 रुपए में उपलब्ध है। पर्यटकों को बेशक एक या दो दिन स्की करने के लिए तथा हर सुविधा के लिए अलग भुगतान करना पड़ता है। रोप वे द्वारा औली पहुँच कर पर्यटक नई दुविधा में होता है।

सामने नंदा देवी सहित कई हिमाच्छादित चौटियों का दृश्य दिखता है। औली में 1,300 मीटर लंबा स्कीइंग ट्रैक उपलब्ध है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है। पर्यटकों की सुविधा के लिए 800 मीटर लंबी चियर लिफ्ट के अलावा स्कीयरों को ऊपर पहुँचाने के लिए दो स्की लिफ्ट उपलब्ध है।

कुल मिलाकर औली में कम दामों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्की रिजॉर्ट का मजा लिया जा सकता है इसलिए विदेशी पर्यटक भी अपने देशों में महँगे स्की रिजॉर्टों में जाने के बजाय औली आकर स्कीइंग करके पैसा बचाते हैं। उत्तराखंड के पर्यटन सचिव उत्पल कुमार सिंह बताते है कि शीतकालीन सैफ खेलों के आयोजन की तैयारियों के पूरा होने के साथ औली शीतकालीन खेलों के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित हो जाएगा।

औली के अलावा उत्तराखंड में उत्तराकाशी जिले का दयारा बुग्याल, देहरादून में चकराता के पास मुंडाली, रूद्रप्रयाग जिले का चोफता तथा पिथौरगढ़ मुंस्यारी के पास खलिया टॉप स्कीइंग के शौकीनों के लिए पसंदीदा पर्यटक स्थल है। अंग्रेजों के समय के स्थापित पर्यटक स्थलों के अलावा उत्तराखंड में बर्फबारी का आनंद लेने के लिए अनगिनत स्थल है। इनमें से कई स्थल तो अभी पर्यटक मानचित्र पर आ भी नहीं पाए है। स्थली मुखवा में भी जाड़ों में अच्छी-खासी बर्फ पड़ती है।



हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



रियलिटी शोज के बाद फिर डेली सोप की दुनिया में लौटे गौरव खन्ना

श्रद्धा आर्या

संग जमेगी जोड़ी

टेलीविजन इंडस्ट्री के दो सबसे बड़े और चहेते चेहरे- गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या अब पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं. पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया के गलियारों में दोनों के कमबैक को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही थीं, लेकिन अब स्टार प्लस ने आधिकारिक तौर पर इस खबर पर मुहर लगा दी है. टीवी क्वीन एकता कपूर के प्रोडक्शन हाउस बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत दोनों एक अनटाइटल्ड रोमांटिक फैमिली ड्रामा में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे.

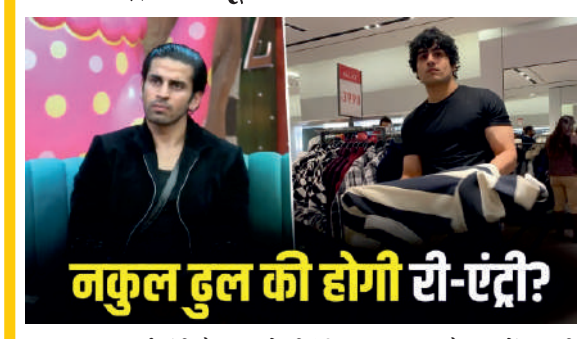
स्टार प्लस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या के साथ एक कोलैबोरेशन वीडियो (टीजर प्रोमो) जारी किया है, जिसे देखकर फैन्स बहुत झाड़ा एक्सकेटेड हैं.

मेकर्स द्वारा जारी किए गए प्रोमो वीडियो में गौरव खन्ना एक आलीशान लग्जरी गाड़ी से बेहद स्टाइलिश अंदाज में उतरते हैं. बाहर खड़े पैपराजी उनसे सवाल करते हैं कि 'क्या आपका कोई नया शो आ रहा है?' गौरव बिना कुछ बोले सिर्फ एक रहस्यमयी मुस्कान देते हैं. इसके ठीक बाद, एक्टर श्रद्धा आर्या भी अपनी गाड़ी से ग्लैमरस लुक में उतरती हैं. पैपराजी और जर्नलिस्ट उनसे भी उनके नए प्रोजेक्ट और शो के नाम को लेकर सवाल दागते हैं. दोनों कलाकार मीडिया का अभिवादन करते हैं, मुड़कर कैमरे की तरफ मुस्कुराते हैं और आगे बढ़ जाते हैं. हालांकि मेकर्स ने अभी तक शो का आधिकारिक टाइटल, इसकी कहानी और लॉन्च डेट का खुलासा नहीं किया है, लेकिन इस प्रोमो ने यह साफ कर दिया है कि दोनों स्टार प्लस के एक बड़े फिक्शन शो के लिए हाथ मिला चुके हैं.

एकता कपूर का नया पत्ता

टीवी गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि ये शो किसे रिप्लेस करेगा और किस स्लॉट पर आएगा. दरअसल, एक तरफ जहां एकता कपूर का ही कल्ट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' अपने अंतिम पड़ाव पर है और खत्म होने जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ एकता ने तुरंत गौरव और श्रद्धा के इस नए फैमिली ड्रामे का ऐलान कर दिया है. इंडस्ट्री सूत्रों का मानना है कि बालाजी टेलीफिल्म्स स्टार प्लस के प्राइम-टाइम को मजबूत बनाए रखने के लिए इस नए प्रोजेक्ट को जल्द ही ऑन-एयर करने की तैयारी में है.

गुल्लू से लड़ाई और एविक्ट होने के बाद क्या फिर शो में लौटेंगे नकुल ढुल? ये है री-एंट्री का पूरा सच



वाइल्ड कार्ड एंट्री के बाद से ही 'बिग बॉस 20' के घर में तबाही मची हुई थी, जो अब जाकर कुछ शांत हुई है. लेकिन शो में पिछले कुछ दिनों में जो भी हुआ है, उसका असली आईना वीकेंड के वार में देखने को मिलेगा. जी हां, सलमान खान इस लड़ाई पर कैसे रिएक्ट करते हैं और घरवालों की क्लास लगाते हैं, यह फैसला शुक्रवार को होगा. पर हाथापाई के बाद घर से एविक्ट हुए नकुल ढुल क्या फिर से घर में लाए जाएंगे. सोशल मीडिया पर नकुल के जाने के बाद से ही ऐसी अफवाहें उड़ रही हैं कि उन्हें वापस लाया जा सकता है. कुछ प्लेटफॉर्मस में यह भी दावा किया जा रहा है कि स्काउट के पास ऐसा करने की पावर आ सकती है.

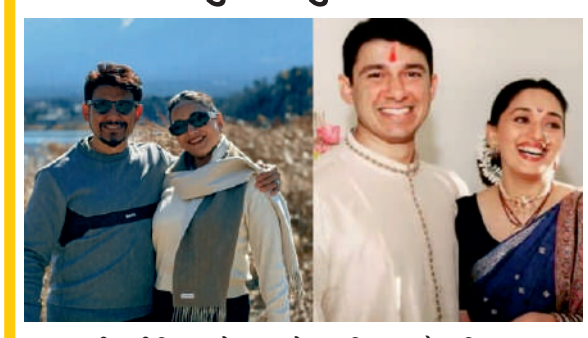
हाल ही में हंगामा की एक रिपोर्ट सामने आई. जिसके मुताबिक, ScoutOP को अपने दोस्त नकुल को बिग बॉस 20 के घर में वापस लाने का अधिकार मिल सकता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि ScoutOP को कंटेस्टेंट्स के लिए ज्यादा राशन का इंतजाम करने और बाहर किए गए वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट को वापस लाने में से एक ऑप्शन होगा. वहीं, इस ऑप्शन में स्काउट घरवालों के लिए न सोचते हुए नकुल की री-एंट्री करा सकते हैं. नकुल की वापसी को लेकर चल रही अटकलों के बावजूद, शो के मेकर्स ने ऑफिशियल तौर पर किसी बात की पुष्टि नहीं की है.

गुल्लू और नकुल ढुल की हुई थी लड़ाई

हाल ही के एपिसोड में गुल्लू और नकुल ढुल के बीच हुई हाथापाई हुई थी. जिसके बाद बिग बॉस ने साफ कहा कि घर के अंदर हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं किया गया है. और न ही आगे कभी किया जाएगा. इसी वजह से, बिग बॉस ने नकुल को शो से बाहर करने का ऐलान भी किया. यूं तो इस हाथापाई के बाद शायद ही शो में नकुल की वापसी करवाई जाए. उम्मीद है कि मेकर्स खुद ही नकुल की वापसी का ऑप्शन किसी के सामने नहीं रखेंगे, क्योंकि ऐसा हुआ था सलमान खान को भी बर्दाश्त नहीं होगा.

दरअसल बाकी कंटेस्टेंट्स ने नकुल को शो से बाहर करने की मांग की थी, जैसे ही यह हुआ तो हर किसी ने इस फैसले पर तालियां बजाईं. हालांकि, उनके इस रिएक्शन से बेपरवाह होकर, नकुल ने उन्हें 'मिडल फिंगर' दिखाई और फिर घर से बाहर हो गए.हालांकि, देखना होगा कि शो में अगले कैप्टन को चुनने के लिए कितने ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं.

माधुरी दीक्षित से शादी के वक्त शाहरुख-सलमान को नहीं जानते थे डॉ. श्रीराम नेने, रिसेप्शन में इस एक्टर को देखकर हुए थे खुश



माधुरी दीक्षित ने अपने करियर के शिखर पर कार्डियोथोरेसिक सर्जन डॉ. श्रीराम नेने से शादी की थी। फिल्म इंडस्ट्री से बाहर शादी करने के बाद एक्ट्रेस अमेरिका चली गई थीं और वहां उन्होंने सादगी भरी जिंदगी बिताई. हालांकि, शादी से पहले ही माधुरी की शादी की खबरें खूब चर्चा में थीं. अमेरिका में पले-बढ़े श्रीराम नेने भारतीय सिनेमा और माधुरी की लोकप्रियता से ज्यादा परिचित नहीं थे.वो फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार शाहरुख खान और सलमान खान को भी नहीं जानते थे.

इस बात का खुलासा हाल उन्होंने फराह खान के यूट्यूब व्लॉग भी किया है. श्रीराम नेने ने बताया कि उस समय हिंदी फिल्मों को लेकर उनकी जानकारी आज के मुकाबले भी काफी कम थी. इसलिए वो रिसेप्शन में आए एक्टर को पहचान नहीं पाए थे. लेकिन हां उन्होंने अमिताभ बच्चन को पहचान लिया था और उन्हें देख काफी खुश भी हुए थे.

शाहरुख-सलमान को नहीं पहचान पाए थे माधुरी के पति

श्रीराम नेने ने बताया कि उनकी शादी एक निजी समारोह में हुई थी, जिसके बाद एक ग्रैंड रिसेप्शन रखा गया था, इस रिसेप्शन में माधुरी के को-स्टार्स और इंडस्ट्री के कई दोस्त शामिल हुए थे. हालांकि, श्रीराम उनमें से ज्यादातर लोगों को नहीं जानते थे. उन्होंने बताया, मैं किसी को नहीं जानता था. ऐसा लग रहा था जैसे किसी स्कूल के प्रॉम किंग की तरह आप सभी को देखकर हाथ हिला रहे हों और बाद में शादी की तस्वीरें देखकर लोगों को पहचानने की कोशिश कर रहे हों, क्योंकि आप किसी को नहीं जानते. श्रीराम ने आगे बताया कि उन्हें सिर्फ अमिताभ बच्चन के बारे में पता था, क्योंकि उन्होंने उनकी फिल्म 'अमर अकबर एंथनी' देखी थी. वहीं, उन्होंने शाहरुख खान और सलमान खान की तारीफ करते हुए कहा कि दोनों उनके साथ काफी गर्मजोशी और अच्छे व्यवहार से पेश आए थे.

माधुरी के स्टारडम से अनजान थे पति श्रीराम नेने

श्रीराम ने बताया कि वह ज्यादा हिंदी फिल्में नहीं देखते थे, क्योंकि लॉस एंजिल्स में वह मराठी बोलते थे. शादी के समय उन्हें इस बात का भी अंदाजा नहीं था कि माधुरी इतनी बड़ी स्टार हैं. बता दें कि, माधुरी दीक्षित और डॉ. श्रीराम नेने ने साल 1999 में शादी की थी. दोनों के दो बेटे हैं. शादी के बाद कपल ने अपने जीवन के शुरुआती 10 साल अमेरिका में बिताए और फिर भारत लौट आए.

सिद्धार्थ मल्होत्रा

के पैर में लगी चोट, मेडिकल बूट पहने शेयर की तस्वीर



बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी हालिया फिल्म 'द ववान' की सफलता का जश्न मना रहे हैं. फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है. इस फिल्म में उनके साथ तमन्ना भाटिया भी नजर आई थीं. सिद्धार्थ दूसरी बार पिता बनने जा रहे हैं, इस खबर को भी फैंस के साथ शेयर किया.हालांकि, उनकी इस खुशी के बीच एक परेशानी आ गई है. सिद्धार्थ ने एक ऐसी तस्वीर शेयर की है, जिसे देख फैंस काफी चिंता में आ गए हैं. दरअसल, एक्टर के पैर में चोट लग गई है.एक्टर ने सोशल मीडिया पर अपने चोटिल पैर की एक तस्वीर शेयर की है. इसके साथ ही उन्होंने मजाकिया अंदाज में एक कैप्शन भी लिखा है. चलिए जान लेते हैं कि आखिर सिद्धार्थ को चोट कैसे लगी है. एक्टर की तस्वीर देख फैंस काफी परेशान हो गए हैं और उनके जल्दी ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं.

सिद्धार्थ मल्होत्रा के पैर में लगी चोट

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उनका पैर मेडिकल वॉकिंग बूट में नजर आ रहा है. इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, मैंने 'ब्रेक अ लेग' वाली बात को कुछ ज्यादा ही सीरियसली ले लिया. इसके साथ उन्होंने अस्पताल वाला इमोजी भी लगाया है. हालांकि, एक्टर ने यह नहीं बताया कि उनके पैर में चोट कैसे लगी और उनकी हालत कैसी है. चोट लगने के बावजूद सिद्धार्थ इस स्थिति को मजाकिया अंदाज में लेते नजर आए है.

फैमिली संग सिद्धार्थ ने शेयर की थीं तस्वीरें

हाल ही में सिद्धार्थ अपनी पत्नी कियारा आडवाणी और बेटी सरायाह के साथ



वेकेशन पर भी गए थें. जहां से कियारा ने कई तस्वीरें पोस्ट की थीं. इन तस्वीरों में उन्होंने अपनी बेटी का चेहरा छिपाकर रखा, लेकिन बीच पर उसके नन्हे पैरों की झलक जरूर दिखाई थी. एक तस्वीर में कियारा पूल के पास धूप का आनंद लेती नजर आईं, जबकि दूसरी तस्वीर में समुद्र किनारे परिवार के पैरों के निशान दिखाई दिए थे.

भारतीय महिला क्रिकेटर पूनम राउत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व सलामी बल्लेबाज पूनम राउत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की। एक दशक से अधिक लंबे करियर में उन्होंने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और 2017 महिला वनडे विश्व कप के फाइनल तक पहुंचने वाली टीम का अहम हिस्सा रहीं। उन्होंने अपने करियर का समापन कृतज्ञता के साथ करते हुए भविष्य में कोचिंग के जरिए क्रिकेट से जुड़े रहने की इच्छा जताई। 37 वर्षीय पूनम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा बयान में कहा कि काफी सोच-विचार के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया है। उनके मुताबिक, भारत का प्रतिनिधित्व करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। क्रिकेट ने उन्हें अनुशासन, संघर्ष करने की क्षमता और ऐसी यादें दीं, जिन्हें वह हमेशा संजोकर रखेंगी।

आनंद के हरफनमौला खेल से हंडिया सेमीफाइनल में, विनय ने मेजा को दिलाई रोमांचक जीत

प्रयागराज। नीलम करवरिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण में हंडिया और मेजा विधानसभा की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। हंडिया ने बारा विधानसभा को छह विकेट से शिकस्त दी, जबकि मेजा ने रोमांचक मुकाबले में प्रतापपुर को आठ रन से हराया। हंडिया की जीत के नायक आनंद कुमार यादव रहे, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से दमदार प्रदर्शन किया। वहीं, मेजा के कप्तान विनय यादव ने शानदार बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया। दोनों खिलाड़ियों को मैन ऑफ द मैच चुना गया। पहले मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी बारा विधानसभा की टीम 20 ओवर में 104 रन ही बना सकी। आलेख ने 26 और अखिलेश यादव ने 21 रन बनाए। हंडिया की ओर से प्रेरक पाल ने 10 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि आनंद कुमार यादव ने 21 रन देकर तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। आदर्श सिंह और शंकर प्रताप सिंह को एक-एक विकेट मिला।

शौने मिलर-उइबो की नजर 400 मीटर के विश्व रिकॉर्ड पर, लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए कसी कमर

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक चैंपियन बहामास की धाविका शौने मिलर-उइबो ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने को अपना अगला बड़ा लक्ष्य बनाया है। उन्होंने कहा कि इस स्पर्धा में लगभग सभी प्रमुख खिताब जीतने के बाद अब वह अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना चाहती हैं। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारियों में जुटीं मिलर-उइबो ने हालांकि अभी यह तय नहीं किया है कि वह अगले ओलंपिक में 200 मीटर या 400 मीटर में से किस स्पर्धा में उतरेंगी।वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2026 की अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर मिलर-उइबो ने रविवार, 18 अक्टूबर को होने वाली दौड़ से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अपने लक्ष्यों और खेल में वापसी के अनुभव साझा किए। वह भारत की अपनी पहली यात्रा पर आई हैं और आयोजन के दौरान धावकों का उत्साह बढ़ाएंगी।मिलर-उइबो ने कहा, 'मैं 400 मीटर में लगभग हर वह खिताब जीत चुकी हूं, जिसे हासिल किया जा सकता है। अब नए लक्ष्य तय करने का समय है। मैं विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करना चाहती हूं। पिछले कुछ वर्षों में महिला धाविकाओं ने 48 सेकंड से कम समय में दौड़ पूरी की है। मुझे भरोसा है कि मैं भी ऐसा कर सकती हूं। जब हम लगातार एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो इससे सभी को बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। '

श्रीलंका की वनडे टीम में लाहिरू उदारा को मौका, पथुम निसांका बाहर

कोलंबो। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका मेडिकल क्लीयरेंस नहीं मिलने के कारण पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने इसकी पुष्टि करते हुए उनकी जगह लाहिरू उदारा को टीम में शामिल किया है। निसांका इंग्लैंड दौरे के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट का शिकार हो गए थे। इसी वजह से वह पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी नहीं खेल सके थे। चार अक्टूबर को घोषित वनडे टीम में उन्हें इस शर्त पर शामिल किया गया था कि मेडिकल जांच में फिट घोषित होने के बाद ही वह टीम के साथ यात्रा करेंगे। हालांकि, उन्हें अब तक वापसी के लिए चिकित्सकीय मंजूरी नहीं मिली है। उदारा ने अभी तक श्रीलंका के लिए वनडे क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। वह देश के लिए पांच टेस्ट और सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उन्होंने सितंबर में इंग्लैंड और इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान के खिलाफ तीन-तीन मैचों की टी-20 सीरीज में हिस्सा लिया था।

क्रिकेट में नए युग की शुरुआत

श्रीलंका में 14 नवंबर से शुरू होगा मिक्स्ड-जेंडर टूर्नामेंट 'टेस्ट ट्वेंटी'

एजेंसी

मुंबई/कोलंबो। क्रिकेट में करीब 150 वर्षों के इतिहास में पहली बार लड़कियों और लड़कों के रन मिलकर एक ही टीम का परिणाम तय करेंगे। क्रिकेट के नए प्रारूप 'टेस्ट ट्वेंटी' का पहला सत्र 14 से 29 नवंबर 2026 तक श्रीलंका की राजधानी कोलंबो स्थित सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब (एसएससी) मैदान पर आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया भर के 13 से 21 वर्ष की आयु के 160 युवा क्रिकेटर हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा।

टेस्ट ट्वेंटी को क्रिकेट का चौथा प्रारूप बताया जा रहा है। अब तक क्रिकेट में टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 प्रारूप प्रचलित रहे हैं। इस नए प्रारूप की खासियत यह है कि इसमें प्रत्येक टीम की ओर से लड़कियों और लड़कों की अलग-अलग एकादश मैदान पर उतरेगी, लेकिन दोनों के बनाए रन एक ही स्कोर में जोड़े जाएंगे। मैच का फैसला दोनों टीमों के संयुक्त स्कोर के आधार पर होगा।

आयोजकों के अनुसार, टूर्नामेंट का उद्देश्य लड़कियों और लड़कों को एक साझा टीम के लिए खेलने का अवसर देना तथा युवा क्रिकेटरों के लिए एक नया वैश्विक मंच तैयार करना है।

80 ओवर का मुकाबला, दो गेंदें और एक संयुक्त स्कोर

टेस्ट ट्वेंटी का प्रत्येक मुकाबला एक ही दिन में खेला जाएगा। इसमें प्रत्येक टीम दो बार बल्लेबाजी करेगी और कुल 80 ओवर का खेल होगा। पहले 40 ओवर दिन में लाल गेंद से सफेद कपड़ों में खेले जाएंगे, जबकि अंतिम 40 ओवर रंगीन कपड़ों में सफेद गेंद से एसएससी मैदान की फ्लडलाइट्स के नीचे होंगे। इस प्रारूप में लाल और सफेद गेंद का इस्तेमाल एक ही मैच में किया जाएगा। पहले सत्र में बनाए गए रन दूसरे सत्र में भी कुल स्कोर का हिस्सा बने रहेंगे। यानी दिन में बनाया गया हर रन रात के खेल में भी टीम के परिणाम को प्रभावित करेगा। मुकाबले का फैसला उसी दिन संयुक्त स्कोर के आधार पर होगा।

लड़कियों और लड़कों के रन तय करेंगे एक-दूसरे की जीत

टेस्ट ट्वेंटी के चार महाद्वीपीय दलों में से प्रत्येक में 40 खिलाड़ी होंगे। इनमें 20 लड़कियां और 20 लड़के शामिल होंगे। प्रत्येक मुकाबले में लड़कियों की टीम लड़कियों के खिलाफ और लड़कों की टीम लड़कों के खिलाफ खेलेगी। हालांकि, दोनों के प्रदर्शन को जोड़कर ही टीम का अंतिम स्कोर तैयार किया जाएगा। इस प्रारूप में 'पैरिटी रूल' यानी समानता नियम लागू होगा। टॉस से यह तय होगा कि कौन-सी टीम पहले बल्लेबाजी करेगी और उसकी ओर से पहले लड़कियों की एकादश उतरेगी या लड़कों की। दिन में लड़कियों द्वारा बनाए गए रन रात में लड़कों की जीत या हार का फैसला प्रभावित करेंगे।

डेनमार्क ओपनः त्रीसा-गायत्री की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

एजेंसी

ओडेंस। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने डेनमार्क ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त रेचल अलेस्स्या रोज और फेबी सेटियानिंगरम को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराया।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में कड़े मुकाबले के बाद नियंत्रण हासिल किया। दूसरे गेम में इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने वापसी की कोशिश की, लेकिन त्रीसा और गायत्री ने संयम बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

त्रीसा ने पिछले कोर्ट से आक्रामक खेल दिखाया, जबकि गायत्री ने नेट पर मजबूती से मोर्चा संभाला। भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआती संघर्ष के बाद अपनी रक्षापंक्ति को बेहतर किया और गलतियों पर अंकुश लगाते हुए पहला गेम 21-16 से जीता। दूसरे गेम में भी उन्होंने इसी लय को बरकरार रखा और 21-17 से जीत दर्ज की।

पहले दौर में भी सीधे गेमों में मिली थी जीत

त्रीसा और गायत्री ने राउंड ऑफ 32 में चीनी ताइपे की चेन यान फेई और हिसएह पेई शान को 22-20, 21-14 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मलेशिया की एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन तथा हांगकांग की नाटिंग युंग और पुई लाम युंग के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगा।

'गर्व है' पहल से जुड़ी दिविजा पॉल ने राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जीता कांस्य

दिविजा का अंतिम लक्ष्य भविष्य में भारत के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है।

एजेंसी

नई दिल्ली। असम की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी दिविजा पॉल ने पंचकूला में छह से 13 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-13 बालिका वर्ग में कांस्य पदक जीता है। इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली दिविजा अदाणी स्पोर्ट्सलाइन की 'गर्व है' पहल से जुड़ी नई खिलाड़ी हैं। वह वर्तमान में भारत की अंडर-13 श्रेणी में नंबर एक रैंकिंग पर हैं। दिविजा की यह उपलब्धि फिलीपींस में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर प्यूर्टो प्रिंसेसा 2026 में अंडर-13 व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण पदक जीतने के बाद आई है। इससे पहले उन्होंने 2025 और 2026 में वडोदरा में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर प्रतियोगिताओं में भी अंडर-11 और अंडर-13 वर्गों में स्वर्ण पदक जीते थे। पंचकूला दिविजा के लिए खास महत्व रखता है। वर्ष 2023 में इसी शहर में उन्होंने अंडर-11 वर्ग की राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीता था। दिविजा के मुताबिक, इसी सफलता ने उन्हें टेबल टेनिस में पेशेवर करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

असम के सिलचर में जन्मीं दिविजा ने छह वर्ष की उम्र में टेबल टेनिस खेलना शुरू किया था। एक स्थानीय क्लब टूर्नामेंट में अपने



चचेरे भाई को खेलते देखकर उनकी इस खेल में रुचि बढ़ी। उनके पिता दिव्येंदु पॉल बीएसएनएल में कार्यरत हैं, जबकि मां दीपशिखा पॉल सरकारी स्कूल में शिक्षिका हैं। दिविजा सिलचर स्थित केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के विद्यालय में सातवीं कक्षा की छात्रा हैं। दिविजा ने वर्ष 2025 में दिल्ली में आयोजित यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-13 वर्ग का खिताब जीता था। इसी वर्ष गुजरात के गांधीधाम में आयोजित यूटीटी राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने अंडर-13 युगल वर्ग का खिताब भी अपने नाम किया। भारत की अंडर-13 श्रेणी में शीर्ष रैंकिंग हासिल कर चुकी दिविजा चीन की दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी सुन यिंग्शा को अपना आदर्श मानती हैं। वह विशेष रूप से सुन यिंग्शा की खेल शैली और उनके शॉट्स में आत्मविश्वास से प्रभावित हैं। आगामी महीनों में दिविजा चेन्नई में होने वाली डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी। इसके बाद वह जालंधर में आयोजित होने वाली यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। 'गर्व है' पहल के तहत अदाणी स्पोर्ट्सलाइन से जुड़ने के बाद दिविजा को विश्वस्तरीय खेल उपकरण, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए यात्रा तथा स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग प्रशिक्षण जैसी सुविधाओं में सहायता मिलेगी।

डेनमार्क ओपनः क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं तन्वी शर्मा

विश्व नंबर एक आन से यंग से होगा मुकाबला

एजेंसी

ओडेंस। भारत की 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने डेनमार्क ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने गुरुवार देर रात खेले गए राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में जर्मनी की यवोन ली को 21-17, 21-19 से हराया।

अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना पहली बार विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से होगा। तन्वी ने यवोन ली के खिलाफ केवल 39 मिनट में जीत दर्ज की। दूसरे गेम में कड़ी चुनौती मिलने के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य बनाए रखा और सीधे गेमों में मुकाबला अपने नाम किया।

तन्वी ने पहले गेम की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। यवोन ली लगातार पिछड़ने के बाद वापसी की कोशिश करती रहीं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने 21-17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में जर्मनी की खिलाड़ी ने अधिक चुनौती पेश की। मुकाबला अंक-दर-अंक आगे बढ़ा और कई मौकों पर यवोन ने बढ़त भी हासिल की। हालांकि, 16-16 की बराबरी के बाद तन्वी ने लगातार चार अंक जुटाकर निर्णायक बढ़त बना ली। यवोन ने फिर संघर्ष करते हुए स्कोर 19 तक पहुंचाया, लेकिन



तन्वी ने लगातार दो अंक हासिल कर 21-19 से गेम और मैच जीत लिया।इससे पहले महिला युगल में भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भी क्वार्टर फाइनल में खेलेगी। भारतीय जोड़ी का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन से होगा।

युजवेंद्र चहल ने किया खुलासा

क्यों रोहित शर्मा ने उन्हें विश्व कप 2023 टीम से किया था बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 2023 में घरेलू मैदान पर खेले गए वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चयन नहीं होने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। चहल के मुताबिक, उस समय भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया था कि टीम प्रबंधन आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों को टीम में रखना चाहता था। इसके अलावा टीम एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को भी शामिल करने के पक्ष में थी।भारत के सबसे सफल सीमित ओवरों के स्पिनरों में शामिल चहल ने पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा से बातचीत में विश्व कप टीम से बाहर रहने के कारणों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जब वह 2023 में काउंटी क्रिकेट खेलने गए थे, तब रोहित शर्मा ने उनसे टीम संयोजन को लेकर बात की थी। चहल ने कहा, '2023 में, जब मैं काउंटी क्रिकेट खेलने गया था, तब रोहित ने मुझे बताया था कि हम आठवें नंबर तक बल्लेबाज चाहते हैं, इसलिए हम उसी हिसाब से टीम बना रहे हैं। उन्होंने मुझे स्पष्ट रूप से बताया था कि वे विश्व कप के लिए एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की भी तलाश कर रहे हैं। इसलिए मुझे यह बात साफ कर दी गई थी। विश्व कप के बाद मैंने चयन के बारे में सोचना ही बंद कर दिया। 'चहल ने अगस्त 2023 के बाद कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नहीं खेला, लेकिन उन्हें 2024 टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिली। हालांकि, वह पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेंच पर ही बैठे रहे और उन्हें एक



भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद चहल ने आईपीएल 2024 में अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने बताया कि उस सत्र में उन्होंने खुद पर अतिरिक्त दबाव डालने के बजाय खेल का आनंद लेने पर ध्यान दिया। उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद रोहित शर्मा ने भी उन्हें टीम में शामिल करने की इच्छा जताई थी।चहल ने कहा, 'आईपीएल 2024 में मैं सिर्फ खेल का आनंद लेने आया था और मैंने खुद पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं डाला। उस सत्र में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया और रोहित ने मुझसे कहा कि वह मुझे टीम में चाहते हैं और हम चयन बैठक में इस पर विचार करेंगे। ' चहल ने 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने अब तक 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 96 विकेट लिए हैं।

भारतीय क्रिकेटर आदित्य तारे को भरोसा

आर्सेनल लगातार दूसरी बार जीतेगा प्रीमियर लीग खिताब

एजेंसी

मुंबई। इंग्लिश प्रीमियर लीग में आर्सेनल की खिताबी सफलता के बाद भारतीय क्रिकेटर और आर्सेनल के पुराने प्रशंसक आदित्य तारे का मानना है कि टीम लगातार दूसरी बार खिताब जीत सकती है। तारे ने कहा कि मैनचेस्टर सिटी के दबदबे के दौर में आर्सेनल का समर्थन करने वाले प्रशंसकों के लिए ट्रॉफी जीतने के बाद अब अपनी टीम की उपलब्धियों पर गर्व करने और प्रतिद्वंद्वी प्रशंसकों के साथ हंसी-मजाक करने का मौका है। जियोस्टार को दिए साक्षात्कार में आदित्य तारे ने मुंबई में जारी प्रीमियर लीग ट्रॉफी टूर के दौरान ट्रॉफी को करीब से देखने के अनुभव को अपने लिए सपने के सच होने जैसा बताया। उन्होंने आर्सेनल के साथ अपने पुराने जुड़ाव, मैनचेस्टर सिटी के प्रशंसक और साथी क्रिकेट विशेषज्ञ अभिषेक नायर के साथ होने वाली नोकझोंक तथा टीम के लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने



की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। तारे ने कहा कि वह बचपन से आर्सेनल का समर्थन करते आ रहे हैं। उन्होंने 2003-04 के उस ऐतिहासिक सत्र को भी याद किया, जब आर्सेनल ने बिना कोई मुकाबला गंवाए प्रीमियर लीग का खिताब जीता था। उस टीम को 'इनविंसिबल्स' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा, 'बचपन से आर्सेनल का प्रशंसक होने के कारण इस ट्रॉफी के पास खड़ा होना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। 2003-04 में टीम ने बिना कोई मैच हारे खिताब जीता था। उसके बाद अगले खिताब के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। कई बार टीम खिताब के बेहद करीब पहुंची, लेकिन सफलता नहीं मिली। आखिरकार खिताब जीतने के बाद बहुत राहत मिली। अब 22 साल बाद ट्रॉफी को सामने देखना और यह महसूस करना कि इसका क्लब तथा प्रशंसकों के लिए कितना महत्व है, बेहद खास अनुभव है। मुझे अपनी टीम पर गर्व है। ' मैनचेस्टर सिटी के प्रशंसक अभिषेक नायर के साथ अपनी दोस्ताना प्रतिद्वंद्विता के बारे में तारे ने कहा कि मुंबई के क्रिकेट ड्रेसिंग रूम में इस मुद्दे पर लंबे समय से मजाक और बहस होती रही है। वहां मैनचेस्टर यूनाइटेड के भी कई समर्थक हैं, जबकि नायर शुरुआत से ही मैनचेस्टर सिटी का समर्थन करते रहे हैं। तारे ने कहा, 'जब हमारी टीम खिताब नहीं जीत पा रही थी और मैनचेस्टर सिटी का दबदबा था, तब हमेशा बचाव की मुद्रा में रहना मुश्किल होता था। लेकिन पिछले सत्र में खिताब जीतने के बाद अब आर्सेनल और उसके प्रशंसकों के पास अपनी उपलब्धि पर गर्व करने और अपनी बात रखने का मौका है। ' हालांकि, उन्होंने मैनचेस्टर सिटी को शानदार क्लब बताते हुए कहा कि खिताब की दौड़ में शामिल किसी भी टीम पर वह लगातार दबाव बनाता है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की आलोचना करने पर मार्टिनेज ने मांगी माफी

क्लब अधिकारियों से की बातचीत

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड के डिफेंडर लिसांद्रो मार्टिनेज ने एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग में हार के बाद क्लब के शीर्ष अधिकारियों की आलोचना करने के लिए माफी मांगी। उन्होंने मुख्य कोच माइकल कैरिक और क्लब के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के बाद यह माफी मांगी। मार्टिनेज ने मंगलवार को 0-2 की हार के बाद कहा था कि टीम को सर्वोच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए क्लब को अधिक निवेश करने की जरूरत है। प्रशिक्षण सत्र के बाद मार्टिनेज ने कैरिक और क्लब के अधिकारियों से बातचीत की। साक्षात्कार के बाद यह उनका दूसरा सार्वजनिक बयान था। उन्होंने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर कहा कि बातचीत सकारात्मक रही और इसमें मंगलवार के मैच के बाद हुई घटनाओं पर खुलकर विचार साझा किए गए।मार्टिनेज ने अपने बयान में कहा, 'आज मैंने क्लब के



नेतृत्व और मुख्य कोच से मुलाकात की। यह बातचीत बहुत सकारात्मक रही, जिसमें हम अपने विचार साझा करने और मंगलवार के मैच के बाद जो कुछ हुआ, उस पर खुलकर बात करने में सक्षम रहे। ' अर्जेंटीना के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मार्टिनेज ने स्वीकार किया कि हार के बाद उनकी निराशा उन पर हावी हो गई थी। उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए गलत समय चुनने पर माफी मांगी।उन्होंने कहा, 'हर कोई जानता है कि मैं जुनूनी स्वभाव का व्यक्ति हूं और फुटबॉल को बहुत गहराई तथा तीव्रता से जीता हूं। हार की निराशा के कारण मैंने अपनी भावनाएं ऐसे समय और ऐसी जगह पर व्यक्त कर दीं, जो शायद इसके लिए सही नहीं थे। इसके लिए मैं माफी मांगना चाहता हूं। '

एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ हार के बाद दिए गए साक्षात्कार में मार्टिनेज ने क्लब के फुटबॉल निदेशक जेसन विलकॉक्स का विशेष रूप से उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि मैनचेस्टर यूनाइटेड को अपने प्रतिद्वंद्वियों के स्तर तक पहुंचने, अधिक खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने और यूरोपीय प्रतियोगिताओं में चुनौती देने में सक्षम दल तैयार करने के लिए नए करार करने की जरूरत है। मार्टिनेज ने अब माना कि उनकी टिप्पणियां ओल्ड ट्रैफर्ड में अपेक्षित एकजुटता को प्रतिबिंबित नहीं करती थीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्लब के सभी लोग एक साझा लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।उन्होंने कहा, 'हमारा क्लब तब अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में होता है, जब हम सभी एकजुट होते हैं। मैं स्वीकार करता हूं कि उस समय मेरे शब्द इस भावना के अनुरूप नहीं थे। '

उन्होंने आगे कहा, 'मैं जानता हूं कि मैनचेस्टर यूनाइटेड का हर व्यक्ति हमारी साझा महत्वाकांक्षा को हासिल करने और इस क्लब तथा इसके समर्थकों को वह सफलता दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, जिसके वे हकदार हैं। ' अपने बयान के अंत में मार्टिनेज ने इस विवाद को समाप्त करने और टीम के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। उन्होंने कहा, 'अब जब यह मामला हमारे पीछे छूट गया है, तो हमारा पूरा ध्यान मिलकर जीत हासिल करने पर है। ' मैनचेस्टर यूनाइटेड का मौजूदा सत्र में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है।

70वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभंकर लांच

एजेंसी

बलिया। बलिया में दो से छह नवंबर 2026 तक 70वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय फुटबॉल (अंडर-17) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बलिया में प्रतियोगिता के लोगो व शुभंकर का विमोचन किया।परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि जिले में एक बार फिर खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का बड़ा अवसर मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आयोजन के तहत खेल मैदानों को तैयार करने के साथ खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन, परिवहन, चिकित्सा और सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त पांच क्रीड़ा स्थलों को चिह्नित किया गया है, जहां प्रतियोगिता से संबंधित गतिविधियां संचालित होंगी। इनमें वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम, टाउन पालिटेक्निक के मैदान, सतीश चंद्र महाविद्यालय, रामदहिन सिंह इंटर कॉलेज आमघाट तथा शेर ग्राम सभा में स्थित मिनी स्टेडियम शामिल हैं। इन स्थलों पर खेल संबंधी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस दौरान मंत्री ने प्रतियोगिता के लोगो व शुभंकर का विमोचन किया। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों और टीमों के ठहरने के लिए होटलों में कमरों की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही बस एवं कार से परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी है, ताकि खिलाड़ियों को ठहरने के स्थान से निर्धारित खेल मैदानों तक पहुंचने में आसानी हो। खिलाड़ियों और अधिकारियों के भोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कॉमन मेस की व्यवस्था करने की तैयारी है। इसके अलावा मैदानों पर टेंट, साउंड सिस्टम और लाइटिंग की व्यवस्था भी की जा रही है। आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं का उद्देश्य प्रतियोगिता को सुचारु, व्यवस्थित और सुविधाजनक तरीके से संपन्न कराना है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि बलिया में राष्ट्रीय स्तर की विद्यालयीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन जिले के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन को करीब से देखने और सीखने का मौका मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी इस साल के अंत में जाएंगे कनाडा, व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा पर होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वर्ष के अंत में 11-12 दिसंबर को कनाडा की यात्रा करेंगे। कैलगरी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बताया कि यह दौरा टोरंटो और ओटावा में होगा। उन्होंने कहा कि हम इस दिसंबर प्रधानमंत्री मोदी के कनाडा दौरे का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। कनाडा में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में इस यात्रा की जानकारी साझा की। दूतावास ने पोस्ट में लिखा, ''हाल ही में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा संबंधों में बन रही सकारात्मक गति को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने यह भी तय किया कि दोनों देश व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी), सुरक्षा और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ठोस और व्यावहारिक नतीजे हासिल करने के लिए मिलकर काम करेंगे। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और कनाडा के रिश्तों को और मजबूत बनाया जाए और दोनों देशों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिले।''

जांच में शामिल होने दिल्ली पहुंचे कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजम, बोले- ये राजनीतिक मामला

नई दिल्ली। यौन शोषण मामले में आरोपी कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजम दिल्ली के वसंत कुंज नॉर्थ थाने पहुंचे। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें जांच में शामिल होने के लिए बुलाया है, इसलिए वह जांच में सहयोग करने आए हैं। सांसद ने इस पूरे मामले को राजनीतिक बताते हुए कहा कि पिछले 40 वर्षों से जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में रहने के दौरान उन्होंने इस तरह की स्थिति का अनुभव नहीं किया। कांग्रेस सांसद ने दिल्ली में अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा है, जैसे वह किसी शत्रुतापूर्ण जगह पर आए हों। उन्होंने कहा कि मुझे बिल्कुल भी अपनापन महसूस नहीं हो रहा है। जो कुछ हो रहा है, उसकी वजह से मैं अब खुद को ज्यादा मणिपुर से जुड़ा हुआ महसूस करता हूं। मैं दिल्ली पुलिस के बुलावे पर जांच में सहयोग करने के लिए आया हूं। सांसद ने कहा कि मेरा कार्यक्रम काफी व्यस्त है, लेकिन मैं नहीं चाहता था कि मेरे नहीं आने पर यह कहा जाए कि मैं जांच में सहयोग नहीं कर रहा हूं। इस तरह की बातों से बचने के लिए मैंने दिल्ली पुलिस के सामने पेश होने का फैसला किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून को अपना काम करने देना चाहिए।

अंकिता भंडारी मामले में राहुल गांधी ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र, सिक्किम के राज्यपाल की नियुक्ति पर पुनर्विचार की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखा है और सिक्किम के नवनियुक्त राज्यपाल दुष्यंत गौतम की नियुक्ति पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। राहुल गांधी ने पत्र में लिखा, 'अंकिता भंडारी की उम्र 19 साल थी जब 18 सितंबर 2022 को उसकी हत्या कर दी गई।

वह ऋषिकेश के पास वनंतरा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करती थी। उसके नियोक्ता पुलकित आर्य, जो एक भाजपा नेता का बेटा है, ने उस पर वीआईपी मेहमानों को 'स्पेशल सर्विस' देने का दबाव बनाया। उसने इनकार कर दिया। पुलकित आर्य और उसके दो कर्मचारियों ने उसकी हत्या कर दी। तीनों अब आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।' राहुल ने कहा कि चार साल से एक सवाल अनुत्तरित है - वो वीआईपी कौन थे? इस साल जनवरी में उत्तराखंड में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद राज्य सरकार ने यह सवाल सीबीआई को सौंप दिया था और उसकी जांच अभी भी जारी है।

रवि शंकर गोयल सूरीनाम के अगले राजदूत नियुक्त, जल्द संभालेंगे कमान

नई दिल्ली। भारत ने रवि शंकर गोयल को रिपब्लिक ऑफ सूरीनाम का अगला राजदूत नियुक्त किया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। एमईए के अनुसार, 2009 बैच के आईएफएस (इंडियन फॉरेन सर्विस) अधिकारी रवि शंकर गोयल को सूरीनाम गणराज्य में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वो मेदान (इंडोनेशिया) स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास में महावाणिज्य दूत हैं। उनके जल्द ही अपना कार्यभार संभालने की उम्मीद है। वो सुभाष प्रसाद गुप्ता की जगह लेंगे। गुप्ता सूरीनाम में भारत के राजदूत के रूप में कार्यरत थे, जिनका कार्यकाल हाल ही में (अक्टूबर 2026 में) समाप्त हुआ है

निगमायुक्त ने पंजाबी बाग में भारत दर्शन पार्क

वायु गुणवत्ता निगरानी हॉटस्पॉट और अपशिष्ट प्रबंधन का किया निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। निगमायुक्त संजीव खिरवार ने पंजाबी बाग क्षेत्र में वायु प्रदूषण की स्थिति का जायजा लेने तथा प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा करने के उद्देश्य से विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए चिह्नित हॉटस्पॉट, पंजाबी बाग में स्थापित पजल पार्किंग व्यवस्था तथा निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भारत दर्शन पार्क से निरीक्षण की शुरुआत करते हुए निगमायुक्त ने बुनियादी जानकारियां लीं। पश्चिमी क्षेत्र के उपायुक्त कर्नल विनोद अत्री ने उन्हें बताया कि साढ़े आठ एकड़ में बने इस आकर्षक पार्क में अपने देश के सभी राज्यों में बने मशहूर इमारतों को 450 टन स्क्रैप से निर्मित किया गया है। इस पार्क का उद्घाटन 25 दिसंबर 2021 को हुआ था। निगमायुक्त संजीव खिरवार ने कहा कि ओखला लैंडफिल साइट पर



लगभग 20 एकड़ भूमि को भारत दर्शन पार्क की तरह ही सुंदर थीम बेस्ड पार्क की तरह विकसित किया जाना चाहिए। अपने निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने उपायुक्त पश्चिमी क्षेत्र कर्नल विनोद अत्री से वायु गुणवत्ता की निगरानी, प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों की पहचान और उन्हें नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी ली। उन्होंने पजल पार्किंग व्यवस्था का निरीक्षण किया । निगमायुक्त ने वाहनों और श्मशान घाट पर शव दहन से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के उचित संग्रहण, परिवहन तथा निस्तारण से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्माण एवं विध्वंस से पैदा अपशिष्ट सामग्री का व्यवस्थित निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निगमायुक्त संजीव खिरवार ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने, नियमित निगरानी बनाए रखने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए सभी संबंधित विभागों को सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए। इस दौरान पश्चिमी क्षेत्र वार्ड समिति के अध्यक्ष हरीश ओबेरॉय, स्थानीय निगम पार्षद सुमन त्यागी, पश्चिमी क्षेत्र के उपायुक्त कर्नल विनोद अत्री सहित निगम के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एलएनजेपी अस्पताल में सीटी स्कैन और टेस्ला एमआरआई मशीनों का शुभारंभ किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल में ड्यूल सोर्स 256 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन और तीन टेस्ला एमआरआई मशीनों का शुभारंभ किया। एलएनजेपी अस्पताल में मशीनों के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इन मशीनों के शुभारंभ से हृदय, मस्तिष्क, कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की जांच की बेहतर सुविधा अब अस्पताल में ही मिलेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि दिल्ली के सरकारी अस्पताल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित हों और बेहतर इलाज हर नागरिक की पहुंच में हो। इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी डॉ. पंकज कुमार सिंह और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष अरविंदर सिंह साहनी उपस्थित रहे।



दिल्ली सरकार, एमसीडी और प्लास्टइंडिया फाउंडेशन के बीच हुआ समझौता

250 संग्रहण केंद्र स्थापित करने की योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और प्लास्टइंडिया फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और महापौर प्रवेश वाही की उपस्थिति में हुए इस समझौते के तहत पहले चरण में दिल्ली के विभिन्न वार्डों में 250 से अधिक संग्रहण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य मूर्तियों और पूजा-सामग्री को सार्वजनिक स्थानों, सड़कों तथा जल निकायों में अनियंत्रित रूप से फेंकने या विसर्जित करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहल को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बताते हुए कहा कि भारत की धार्मिक परंपराएं हमें प्रकृति और समस्त जीव-जगत का सम्मान करना सिखाती हैं। आस्था और श्रद्धा हमारी सांस्कृतिक विरासत के अभिन्न अंग हैं, लेकिन उनके साथ पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद मूर्तियों और पूजा-सामग्री का सम्मानजनक संग्रहण सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। इससे लोगों को अपनी धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार



व्यवहार अपनाने का व्यावहारिक विकल्प मिलेगा। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे खंडित मूर्तियों और पूजा-सामग्री को निर्धारित संग्रहण केंद्रों पर ही जमा करें। उन्होंने कहा कि धार्मिक सामग्री को सड़कों, खुले स्थानों और जल निकायों में छोड़ने के बजाय निर्धारित केंद्रों तक पहुंचाना स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों की जिम्मेदारी को दर्शाता है। प्रत्येक नागरिक का छोटा-सा सकारात्मक प्रयास भी दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। समझौते के अनुसार मूर्ति संग्रहण केंद्रों का औपचारिक हस्तांतरण होने के बाद उनके दैनिक संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी नगर निगम और संबंधित सरकारी प्राधिकरणों की होगी। निगम इन केंद्रों पर कर्मचारियों की तैनाती, स्वच्छता, रखरखाव, सामग्री के संग्रहण और एकत्रित सामग्री को अधिकृत स्थलों तक समय पर पहुंचाने की व्यवस्था करेगा। नियमित निगरानी के माध्यम से केंद्रों को स्वच्छ, सुलभ और सुचारु बनाए रखने पर जोर दिया जाएगा। इस पहल में दिल्ली सरकार संबंधित विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने में सहयोग करेगी, जबकि नगर निगम स्थानीय स्तर पर इसके क्रियान्वयन और निगरानी की जिम्मेदारी निभाएगा। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मूर्ति संग्रहण केंद्रों की व्यवस्था धार्मिक सामग्री के उचित प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हर्ष मल्होत्रा ने नेहा बोरा के बयान पर राहुल गांधी से मांगा जवाब

युवा आंदोलन को लेकर कांग्रेस पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने नेहा बोरा के कथित बयान को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी इस कथन से सहमत हैं कि भारत में चल रहा युवा आंदोलन बांग्लादेश में 2024 में हुए आंदोलन से प्रेरित है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने जारी बयान में कहा कि जो भी राजनीतिक दल अपने मंच पर नेहा बोरा को स्थान देगा, उसे देश के प्रति जवाबदेह होना होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ऐसे दल हिंसक आंदोलन के जरिए सरकार बदलने के पक्ष में हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे नेहा बोरा और अभिजीत दीपके जैसे युवाओं को राजनीतिक प्रोत्साहन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेहा बोरा के कथित बयान से विपक्षी दलों की भूमिका को सवाल खड़े होते हैं। मल्होत्रा ने कहा कि भाजपा लगातार यह दावा करती रही है कि जून से युवा आंदोलन के नाम पर चल रही गतिविधियों का उद्देश्य केवल नीट या चुनाव आयुक्त से जुड़े मुद्दे नहीं हैं, बल्कि देश में अस्थिरता पैदा कर सरकार के खिलाफ आंदोलन खड़ा करना है। उन्होंने दावा किया कि नेहा बोरा के कथित बयान से भाजपा के इस



आरोप को बल मिला है। उन्होंने कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आआपा), समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल की विचारधारा पर भी सवाल उठाए।

दिल्ली भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल मदन लाल खुराना की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके राजनीतिक योगदान को याद किया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, खुराना की पत्नी राज खुराना, ओ. पी. बब्बर, मूलचंद चावला, वेद व्यास महाजन सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों को स्मरण किया। इस मौके पर हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि मदन लाल खुराना भारतीय राजनीति में उच्च आदर्शों के प्रतीक थे। वो केवल नेता नहीं, एक मूल्य व्यवस्था थे। 1995 में जैन हवाला मामले में उनका नाम आने पर उन्होंने बिना एक पल गंवाए दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि



खुराना ने राजनीति को ये संदेश दिया कि पद से बड़ा चरित्र और सिद्धांत होते हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि खुराना को दिल्ली का 'शेर' कहा जाता था। उनकी आवाज में दिल्ली की जनता का आत्मविश्वास बोलता था। मल्होत्रा ने बताया कि उन्होंने दिल्ली को राज्य का दर्जा दिलाने से लेकर बुनियादी सुविधाओं तक के लिए संघर्ष किया। विपक्ष के बीच भी खुराना की एक अलग साख थी।मल्होत्रा ने कहा कि आज उनकी जन्म जयंती पर सभी को संकल्प लेना चाहिए कि खुराना के त्याग, निष्ठा और राष्ट्र-प्रथम की राजनीति को आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम में प्रदेश पदाधिकारी विष्णु मित्तल, राजेश भाटिया, रंजीत कश्यप, संतोष ओझा, संतोष पाल, कैलाश जैन, अमित गुप्ता और उनके परिजन शिवम छावड़ा एवं संयम छावड़ा भी सम्मिलित हुए।

लोकनायक अस्पताल में विश्वस्तरीय जांच सुविधाएं शुरू

बीमारियों की समय पर पहचान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत लोकनायक अस्पताल में अत्याधुनिक ड्यूल सोर्स 256-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन और तीन अत्याधुनिक एमआरआई मशीन का शुभारंभ किया। ये दोनों मशीनें इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा अपनी सीएसआर पहल के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ कैबिनेट मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह भी उपस्थित रहें।

इन अत्याधुनिक मशीनों से दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में विश्वस्तरीय जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे इमरजेंसी, हृदय रोग, कैंसर, यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, हड्डियों और बच्चों से जुड़ी बीमारियों की जांच की क्षमता बढ़ेगी। स्ट्रोक, कैंसर, लिवर और प्रोस्टेट संबंधी बीमारियों सहित मांसपेशियों व हड्डियों से जुड़ी समस्याओं की समय पर और सटीक पहचान में मदद मिलेगी। इससे मरीजों को सही समय पर उचित उपचार मिल



सकेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोकनायक अस्पताल में पहले शुरू की गई स्वास्थ्य सुविधाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि यहां माताओं और नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल के लिए लैक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट स्थापित की गई है, जो मिल्क बैंक के रूप में कार्य कर रही है। इसके अलावा, अस्पताल में एनएटी मशीन उपलब्ध कराई गई है, जिससे एचआईवी और हेपेटाइटिस की जांच लगभग 48 घंटे में की जा सकती है। यह तकनीक रक्त की जांच को अधिक प्रभावी बनाने और सुरक्षित ब्लड डोनेशन प्रक्रिया को मजबूत करने में भी सहायक है। अस्पताल में दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए विशेष वार्ड भी विकसित किया गया है, जहां उन्हें आवश्यक उपचार और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने नवजात शिशुओं को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए शुरू की गई 'अनमोल योजना' का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत जन्म के तुरंत बाद नवजात शिशु के रक्त की एक बूंद से संभावित आनुवंशिक बीमारियों की जांच की जाती है। इससे बीमारी की शुरुआती अवस्था में पहचान कर समय पर आवश्यक उपचार शुरू करने में मदद मिलती है और बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का संकल्प है कि आर्थिक स्थिति या किसी अन्य कठिनाई के कारण कोई भी नागरिक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से सरकारी अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा तकनीक, बेहतर बुनियादी ढांचे और उन्नत जांच सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समय पर बीमारी की पहचान और उचित उपचार की उपलब्धता से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

पीएम मोदी से मिले दिल्ली के एलजी टीएस संधू

राजधानी के विकास कार्यों की दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के उपराज्यपाल टी.एस. संधू ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राष्ट्रीय राजधानी से जुड़े विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।' इससे पहले, दिल्ली को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए संधू के निर्देश पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 'मास्टर प्लान फॉर दिल्ली-2047' (एमपीडी-2047) के तहत हितधारकों के साथ नौवीं और दसवीं परामर्श बैठकें आयोजित की। संधू राजधानी में पर्याप्त, किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर जोर देते रहे हैं। डीडीए ने एक बयान में कहा कि हुई इन परामर्श बैठकों का मुख्य उद्देश्य हितधारकों को एमपीडी-2047 के उन प्रमुख प्रावधानों के बारे में बताना था, जो शिक्षा केंद्र और चिकित्सा केंद्र के विकास से संबंधित हैं। साथ ही, राष्ट्रीय राजधानी में इनके नियोजित विकास पर चर्चा करना भी इसका मकसद था।

नौवीं परामर्श बैठक शिक्षा केंद्र के विकास पर केंद्रित थी। इस बैठक में दिल्ली सरकार (एनसीटी) के शिक्षा विभाग, स्कूलों, निजी विश्वविद्यालयों, अन्य विश्वविद्यालयों और



शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। परामर्श के दौरान डीडीए ने हितधारकों को एमपीडी-2047 के उन प्रावधानों के बारे में जानकारी दी, जिनका उद्देश्य दिल्ली को ज्ञान और नवाचार के केंद्र के रूप में बढ़ावा देना है। इस योजना में नरेला में 138 हेक्टेयर के एक शिक्षा केंद्र के विकास की परिकल्पना की गई है। यह केंद्र विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, व्यावसायिक प्रशिक्षण और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देगा, जिससे ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था और कुशल रोजगार को बल मिलेगा। यह योजना स्कूलों के लिए 'फ्लोर एरिया रेशियो' (एफएआर) को बढ़ाती है, ताकि वे 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' के अनुरूप अतिरिक्त गतिविधियों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार कर सकें। इसके अलावा 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम' के तहत, यह योजना दिव्यांग और विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए अलग से स्कूल और प्रशिक्षण सुविधाएं बनाने की अनुमति देती है, साथ ही आवासीय स्कूलों के विकास का भी प्रावधान करती है।

दसवीं परामर्श बैठक चिकित्सा केंद्र के विकास पर केंद्रित थी। बयान के अनुसार, इस बैठक में स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ भारत सरकार और दिल्ली सरकार (एनसीटी) के स्वास्थ्य विभागों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। परामर्श के दौरान, डीडीए ने हितधारकों को एमपीडी-2047 के प्रावधानों के बारे में बताया। इसका उद्देश्य पूरे शहर में अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, विशेष स्वास्थ्य सुविधाओं और वेलनेस सेंटरों के एक एकीकृत नेटवर्क के जरिए दिल्ली के हेल्थकेयर इकोसिस्टम को मजबूत करना है।

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार पर रामलीला की अनुमति रद्द करने का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में रामलीला आयोजन की अनुमति रद्द किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल बताए जा रहे एक वीडियो और रामलीला आयोजकों के आरोपों के आधार पर मुख्यमंत्री पर सवाल उठाए हैं और उनसे सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण देने की मांग की।

आआपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो में रेखा गुप्ता को भगवान राम के संदर्भ में आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बाद में वीडियो को एआई से बनाया बताया। आआपा दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने इस मामले में मुख्यमंत्री से माफी मांगने की मांग की और कहा कि यदि वीडियो फर्जी है, तो उन्हें कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि शालीमार बाग क्षेत्र के एक रामलीला आयोजन से जुड़े पिता-पुत्री का वीडियो सामने आ रहा है। वीडियो में युवती के अनुसार, आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों से विभिन्न अनुमतियां ली गई थीं और कार्यक्रम की तैयारियों पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे। उन्होंने कहा कि आरोप है कि कार्यक्रम शुरू होने से ठीक पहले अनुमति रद्द कर दी गई, जिसके कारण आयोजन नहीं हो सका। आआपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि धार्मिक आयोजनों के लिए अनुमति देने और आयोजन स्थलों के आवंटन में पक्षपात किया जा रहा है। उन्होंने रामलीला के साथ-साथ कांवड़ शिविरों और छठ पूजा समितियों का भी उल्लेख किया।